डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 203 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 02 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

मैदान से लेकर पहाड़ तक बारिश का हाहाकार

● हिमाचल में 129 सड़कें बंद, अब तक 39 की मौत

लैंडस्लाइड के बाद टनल में 5 घंटे फंसी रहीं गाड़ियां; बिहार में 5 लोगों पर बिजली गिरी

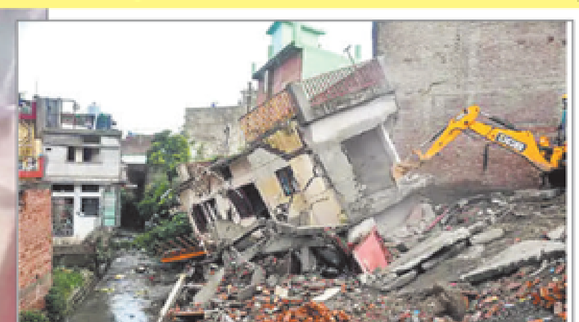

नईदिल्ली/भोपाल/लखनऊ/कुल्लू/जयपुर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 129 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है।

हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं।

बिहार में बिजली गिरने से 5 की मौत- बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है।

बालासोर और मयूरभंज में बाढ़ का पानी घुसा, लोगों को निकाला- नॉर्थ ओडिशा में प्रमुख नदियों के उफान पर होने के कारण राज्य सरकार ने निचले इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने बालासोर और मयूरभंज के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, क्योंकि सुवर्णरेखा, बुधबलंग, जलाका और सोनो जैसी नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सोमवार सुबह तक बालासोर में 1,138 लोगों को निकाला जा चुका है।

कोलकाता गैंगरेप की सीबीआई जांच कराने के लिए याचिका दायर

● एजुकेशन इंस्टीट्यूट में सिविल वॉलेंटियर के तैनाती की भी मांग; हफ्ते के आखिर में सुनवाई संभव

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता गैंगरेप की सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में सोमवार को जनहित याचिका दायर हुई। इसमें सीबीआई को मामले की प्राइमरी जांच करके कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मुख्य आरोपी के राज्य की सत्ताधारी पार्टी

टीएमसी से जुड़े होने के चलते यह मांग की गई है। याचिका में पीड़ित को मुआवजा देने और सरकारी एजुकेशन इंस्टीट्यूट में लड़कियों की सुरक्षा के लिए सिविल वॉलेंटियर तैनात करने की भी मांग की गई है। इससे पहले दायर कुछ अन्य याचिकाओं में कोर्ट की निगरानी में मामले की जांच कराने की मांग की गई है। इस हफ्ते के आखिर में इन याचिकाओं पर सुनवाई हो सकती है।

राजमंदिर में होगा जुरासिक-वर्ल्ड मूवी का पहला प्रीमियर

● डायनासोर की थीम पर सजेगा थिएटर, देशभर से आएंगे 1 हजार इन्फ्लूएंसर और डिजिटल-क्रिएटर

जयपुर (एजेंसी)। हॉलीवुड की 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' का पहला हिंदी प्रीमियर जयपुर में होगा। यूनिवर्सल पिक्चर्स (डिस्ट्रीब्यूटर: वार्नर ब्रदर्स) ने इसकी घोषणा की और बताया कि यह प्रीमियर 3 जुलाई को राज मंदिर सिनेमा में आयोजित किया जाएगा। इसे लेकर राजमंदिर सिनेमा हॉल को जुरासिक वर्ल्ड की थीम पर सजाया जाएगा। इसके अलावा इस प्रीमियर शो में फेमस यूट्यूबर आशिष चंचलानी समेत 1 हजार से ज्यादा इन्फ्लूएंसर और डिजिटल क्रिएटर जयपुर आएंगे। यह प्रीमियर इसलिए भी ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि साल 1994 में 'जुरासिक पार्क' पहली हॉलीवुड फिल्म थी, जिसे हिन्दी में डब किया गया था। और, अब 31 वर्षों बाद, 'जुरासिक वर्ल्ड: रीबर्थ' को उसी थीम पर प्रमोट किया जा रहा है।

बाइक से अनुष्का से मिलने पहुंचे तेजप्रताप, 7 घंटे रुके

● बोले- मेरा पारिवारिक रिश्ता है, इंटरव्यू में कहा- प्यार किया है, गलती नहीं की

पटना (एजेंसी)। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप

यादव आज यानी सोमवार को बाइक से अनुष्का यादव के घर पहुंचे। वो करीब 7 घंटे अनुष्का के घर पर रहे।अनुष्का के घर से निकलने के बाद तेजप्रताप यादव ने कहा कि, मेरा पारिवारिक रिश्ता है इसलिए मिलने आया हूं। लोगों से मिलता जुलता रहता हूं।

प्यार किया है कोई गलती नहीं

उधर, एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने माना कि अनुष्का के साथ उनकी फोटो सही थी। पोस्ट और फोटो भी उन्होंने ने ही सोशल मीडिया पर डाला था। उन्होंने ये भी कहा, प्रेम सब करते हैं, प्यार किया तो किया...कोई गलती नहीं की..कोई मुझे जनता के दिल से नहीं निकाल सकता।

तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा ने पार्टी से इस्तीफा दिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। गोशामहल विधायक ने पूर्व एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। टी. राजा सिंह ने सदमे और निराशा का हवाला देते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

प्रयागराज की दलित लड़की को आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी

ब्रेनवॉश करके केरल ले गए, धर्म परिवर्तन कराया; पुलिस ने 2 को गिरफ्तार किया

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी के प्रयागराज की नाबालिग दलित लड़की को केरल में आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने नाबालिग लड़की को अगवा किया। उसे प्रयागराज से केरल ले गए। जबरन धर्म परिवर्तन कराया।

फिर उसे जिहाद के नाम से ट्रेनिंग देने लगे। इसी बीच पीड़ित वहां से भागकर केरल के एक रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां रेलवे पुलिस को उसने आपबीती सुनाई। केरल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस नाबालिग को प्रयागराज लेकर आई।

पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद कैफ और उसकी साथी एक नाबालिग लड़की को अरेस्ट कर लिया। आरोपियों के गिरोह में कौन-कौन शामिल हैं? यह गिरोह अब तक कितने लोगों को शिकार बना चुका है? इसकी जांच के लिए पुलिस की 3 टीमें बनाई गई हैं।

न्यूयॉर्क मेयर उम्मीदवार ममदानी के हाथ से खाने पर विवाद

न्यूयार्क (एजेंसी)। भारतीय मूल के न्यूयॉर्क से मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी का हाथ से चावल-दाल खाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर अमेरिकी रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने टिप्पणी की। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'अमेरिका में सभ्य लोग इस तरह से खाना नहीं खाते हैं। अगर आप वेस्टर्न कल्चर नहीं अपना सकते, तो थर्ड वर्ल्ड में वापस चले जाइए।' ममदानी वीडियो में फिलिस्तीनी मुद्दे पर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा- जब आप किसी थर्ड वर्ल्ड में पले-बढ़े होते है तो आप फिलिस्तीनी संघर्ष को बेहतर तरीके से समझते हैं। जोहरान ममदानी के वीडियो ने सोशल मीडिया पर एक बहस छेड़ दी है।

छह साल के तेगबीर सिंह ने बनाया विश्व रिकार्ड

यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर (एजेंसी)। पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है।

उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान -10 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। रूस के पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग और स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ कार्बार्डिनो बाल्केरियन रिपब्लिक ने माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले तेगबीर को पर्वतारोहण प्रमाणपत्र जारी किया।

प्रमाणपत्र में लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के 6 साल 9 महीने और 4 दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल सात वर्ष और तीन महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले वाघा कुशाग्र (महाराष्ट्र, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

अगस्त 2024 में वह माउंट किलिमंजारो (अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बन गए थे और उनका नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वह अप्रैल 2024 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (नेपाल) भी पहुंचे थे। चोटी फतह करने वाले तेगबीर सिंह ने कहा, 'मुझे पता था कि मुझे कहां पहुंचना है और आखिरकार मैं पहुंच गया और वहां अपने पिता के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। तेगबीर ने कहा मैं पहली बार बर्फ पर चल रहा था, मेरे जूते भारी थे, लेकिन मैंने इसका अभ्यास किया था।

राष्ट्रपति ने बरेली में 24 स्टूडेंट्स को दिए मेडल-उपाधि

शिवराज सिंह चौहान ने भांजे-भांजियों को प्रणाम किया

बरेली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू सोमवार को बरेली पहुंचीं। वह आईवीआरआई के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। सुबह 9:50 बजे उनका विमान त्रिशूल एयरबेस पर लैंड किया। वहां राष्ट्रपति का स्वागत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी ने किया।

राष्ट्रपति ने आईवीआरआई के दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को पीएचडी की उपाधि और मेडल प्रदान किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा- बीमारी के रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। इसमें आईवीआरआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा- मैं जिस परिवेश से आती हूं वो प्रकृति के निकट है।

सीएम योगी बोले- 7 मंदिरों को नाथ कॉरिडोर के रूप में विकसित कर रहे- सीएम योगी ने कहा-मैं बताना चाहता हूं कि ये भारत की पौराणिक नगरी है और पांचाल देश के रूप में महाभारत कालखंड में इसकी पहचान थी। यहां 7 प्राचीन महादेव के मंदिर थे। जिन्हें हम वर्तमान में नाथ कॉरिडोर के रूप में विकसित कर रहे हैं।

31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा: अमित शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माओवादियों के साथ किसी भी तरह की बातचीत से साफ इनकार किया है। रविवार को उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ताओं को हथियार छोड़ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा, हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो। अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो हमने तय किया है कि 31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर में करीब 10 हजार लोगों ने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। शाह ने कहा कि इन लोगों ने तालुक स्तर से लेकर राज्य विधानसभाओं तक के पदों के लिए हुए चुनावों में भी हिस्सा लिया। इसी तरह पिछले डेढ़ साल में 2,000 से ज्यादा माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

तेलंगाना के निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद अमित शाह ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठा रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ऑपरेशन के प्रभाव को समझने के लिए पाकिस्तान की कमजोर छवि देखनी चाहिए। शाह ने कहा, 'कांग्रेस इन लोगों (माओवादियों) से बातचीत करने को कहती है। हमारी सरकार की हथियार रखने वालों से बात नहीं करने की नीति है। हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों।

मध्य प्रदेश में नक्सल समस्या खात्मे की ओर: डीजीपी

दूसरी ओर, मध् यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने रविवार को दावा किया कि सूबे में केवल एक जिले में सीमित नक्सल समस्या भी अब खात्मे की ओर है। राज्य पुलिस ने पिछले छह महीने के भीतर मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का सफाया करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार ने देश भर में नक्सलवाद को मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य तय किया है। मकवाना ने इंदौर जोन के पुलिस अधिकारियों की बैठक के दौरान बताया, 'नक्सल समस्या कई वर्षों से देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। हालांकि, मध्यप्रदेश में मोटे तौर पर नक्सल समस्या से केवल बालाघाट जिला प्रभावित है।' उन्होंने बताया कि प्रदेश पुलिस ने पिछले छह महीने के दौरान मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का खात्मा किया है और यह एक रिकॉर्ड है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

रथयात्रा हादसा- गलतियों से सीख न लेने का नतीजा

यह घटना अधिक शर्मनाक व चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि सैंकड़ों साल से इस रथ यात्रा का आयोजन हो रहा है। भगदड़ से जुड़े ऐसे हादसों से सबक नहीं लेने का ही नतीजा है कि पुरी में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति हो गई।देश में एक बार फिर किसी धर्म स्थल पर दुखांतिका हो गई। ख्यातनाम तीर्थस्थल पुरी में जगन्नाथ यात्रा के दौरान भगदड़ ने तीन श्रद्धालुओं की जान ले ली और 50 से ज्यादा घायल भी हुए। यह घटना अधिक शर्मनाक व चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि सैंकड़ों साल से इस रथ यात्रा का आयोजन हो रहा है। भगदड़ से जुड़े ऐसे हादसों से सबक नहीं लेने का ही नतीजा है कि पुरी में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति हो गई। हर साल लाखों श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल होते हैं। श्रद्धालुओं को कैसे सुविधा व सुरक्षा के साथ दर्शन कराए जाएं इसकी तैयारी से जुड़ी बैठकें महीनों पहले हो जाती है। पुलिस-प्रशासन से जुड़े लोगों को संभावित भीड़ का अंदाजा भी रहता है। आयोजनों में आने वाली वीवीआइपी को लेकर भी अलग व्यवस्थाएं रहती आई हैं। इसके बावजूद पुरी में यह हादसा होना इंतजामों पर सवाल खड़े करता है। जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में भगदड़ के कारणों का खुलासा होगा लेकिन प्रारंभिक स्तर पर जो कारण सामने आ रहा है उसके मुताबिक श्रद्धालुओं के आने-जाने का एक ही रास्ता बनाना माना जा रहा है। इतना ही नहीं, रास्ते पर भी वीआइपी को प्रवेश करवाने के लिए निकास द्वार बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया। इस व्यवस्था को लागू करने से पहले वैकल्पिक इंतजाम भी नहीं किए गए। ऐसे में भीड़ का दबाव बढ़ा और भगदड़ मच गई जिसकी परिणति के तौर पर यह घटना हुई। सरकार ने इस प्रकरण में लापरवाही मानते हुए कलेक्टर, एसपी, डीसीपी-कमांडेंट पर कार्रवाई की भी है। मृतकों के लिए 25-25 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान भी किया है। लेकिन इतना करना ही काफी नहीं होगा। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों और घायल हुए श्रद्धालुओं को जो जख्म मिले हैं उन पर मरहम तब ही लगेगा जब इस तरह की दुर्घटनाओं से जुड़े तमाम संभावित कारणों को हमेशा के लिए दूर कर दिया जाएगा। अकेला पुरी नहीं है, देश के अनेक तीर्थ और धर्मस्थलों पर इस तरह के हादसे लगातार होते रहते हैं और कमोबेश सभी में एक कारण तो समान ही होता है और वे हैं- भीड़ का दबाव बढ़ना, श्रद्धालुओं के आने या जाने का कोई रास्ता कुछ समय के लिए रोक देना या प्रवेश में वीआईपी को प्राथमिकता देना आदि। ऐसे कारणों में से कोई भी एक कारण भीड़ नियंत्रण में बाधक बन सकता है। हैरत की बात यह है कि नियम-कायदों की लम्बी-चौड़ी कसरत के बावजूद इस तरह के हादसे होने लगे हैं। बड़ी वजह यह है कि इन नियम-कायदों को बनाकर जिम्मेदार भूल जाते हैं ओड़िशा के मुख्यमंत्री ने इस हादसे के लिए भगवान और भक्तों से क्षमायाचना की है। लेकिन महज क्षमा मांगने से ही प्रशासनिक लापरवाही का यह अपराध कम नहीं होने वाला। सही मायने में न्याय तब ही होगा जब इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके पुख्ता प्रबंध किए जाएं। हादसों से जुड़े तमाम कारणों का पता लगाकर सुधार के उपाय करने होंगे। तीर्थस्थलों को सहज, सुलभ व सुरक्षित बनाना प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

अमीरों का पलायन: वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत के लिए खतरे की घंटी”

इस साल करीब 1.42 लाख मिलियनेयर अन्य देशों में बसने जा रहे हैं, और 2026 तक यह संख्या 1.65 लाख तक पहुंच सकती है। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि भारत से भी 3,500 उच्च नेटवर्थ वाले लोगों के बाहर जाने की संभावना जताई गई है। दुनिया भर के दौलतमंद लोग अपने-अपने देशों को छोडक़र उन देशों में बसने की योजना बना रहे हैं जहां टैक्स का बोझ कम है, राजनीतिक स्थिरता है और जीवन की ऊंची गुणवत्ता है। हेनली एंड पार्टनर्स की ताजा रिपोर्ट में सामने आया यह तथ्य न केवल भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल करीब 1.42 लाख मिलियनेयर अन्य देशों में बसने जा रहे हैं, और 2026 तक यह संख्या 1.65 लाख तक पहुंच सकती है। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि भारत से भी 3,500 उच्च नेटवर्थ वाले लोगों के बाहर जाने की संभावना जताई गई है। आर्थिक दृष्टि से समृद्ध लोगों का इस तरह से पलायन की कोई एक वजह हो ऐसा नहीं है। कई बार निवेश के अनुकूल माहौल नहीं मिलने की वजह से भी ऐसे लोग दूसरे देश का रुख करते हैं। देखा जाए तो इस तरह का पलायन किसी भी देश के लिए केवल आर्थिक नुकसान नहीं है, बल्कि प्रतिभा, निवेश और सामाजिक पूंजी का क्षरण भी है। इसलिए यह विषय सचमुच विचारणीय है कि आखिर कोई व्यक्ति, जिसने यहीं से संपत्ति बनाई, टैक्स दिया और प्रतिष्ठा हासिल की, अब किसी और देश को अपना स्थायी निवास बना लेना चाहता है। वस्तुत: यूएई जैसे देश जहां इनकम टैक्स नहीं है, गोल्डन वीजा जैसी योजनाएं हैं, और जहां राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता है, दुनिया भर के अमीरों के लिए चुंबक की तरह काम कर रहे हैं। अमरीका की ईबी-5 वीजा स्कीम भी इसी दिशा में बड़ा आकर्षण है। यह प्रवृत्ति दिखाती है कि दुनिया में केवल तकनीकी प्रतिभाओं के लिए ही नहीं, बल्कि दौलतमंदों को आकर्षित करने की दौड़ में भी देशों में प्रतिस्पर्धा होने लगी है। इस प्रवृत्ति को केवल माइग्रेशन तक ही मान लेना गलत होगा। यह एक प्लान बी भी है, जहां अमीर लोग संभावित जोखिमों, जैसे राजनीतिक अस्थिरता, टैक्स बढ़ोतरी या आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ खुद को सुरक्षित करने के विकल्प खोज रहे हैं। भारत जैसे देशों के लिए यह समय आत्मनिरीक्षण का है।

हमें देखना होगा कि क्या हम अपने देश में ऐसा वातावरण दे पा रहे हैं, जो न केवल प्रतिभाओं को बनाए रखे बल्कि दौलतमंदों को भी यहां निवेश और जीवन बिताने के लिए प्रेरित करे। सवाल उन लोगों से भी है जो हमारे देश में अमीरी के पायदान चढऩे के बाद दूसरे देशों की आर्थिक समृद्धि में योगदान करने को उतारू हो रहे हैं। कर प्रणाली की सरलता, सरकारी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, कानून का भरोसा और जीवन की गुणवत्ता ये सब ऐसे क्षेत्र हैं जहां सदैव ही सुधार की गुंजाइश रहती है। इस पलायन को गंभीरता से लेना होगा अन्यथा पूंजी के साथ सपने भी विदेशी जमीन पर जड़ पकड़ लेंगे।

पेपर लीक समाज की बीमारी, जो मेहनत और ईमानदारी को निगल रही है

-भ्रष्टाचार की जड़ में पेपर माफिया भविष्य को खोखला करता अपराध

हर साल करोड़ों बच्चे परीक्षा की तैयारी में अपनी नींद, आराम और खुशियों को छोड़कर मेहनत करते हैं। उनके माता-पिता सपनों में उन बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर, अफसर या शिक्षक बनते देखते हैं। लेकिन जब मेहनत का फैसला एक लीक हुए पेपर से तय होने लगे, तो यह न सिर्फ बच्चों की मेहनत बल्कि पूरे समाज की ईमानदारी पर सवाल खड़ा कर देता है। पेपर लीक की समस्या अब भारत में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुकी है, जिसका इलाज केवल नए कानूनों या सख्त सजा से नहीं बल्कि पूरे समाज की सोच में बदलाव लाकर ही किया जा सकता है।

मेहनत और सपनों का क़त्ल

पेपर लीक का मतलब सिर्फ एक परीक्षा का लीक होना नहीं है, बल्कि उन लाखों बच्चों की मेहनत और सपनों का क़त्ल है, जो बिना किसी शॉर्टकट के, किताबों में सिर झुकाकर, रातों की नींद कुर्बान कर मेहनत करते हैं। राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक, पेपर लीक के मामले हर साल सामने आते हैं। कोई शिक्षक, कोई कोचिंग सेंटर, कोई कर्मचारी जब पैसे के लालच में प्रश्नपत्र लीक कर देता है, तो उसका सबसे बड़ा नुकसान उन बच्चों को होता है, जिनका भरोसा टूटता है। यह भरोसा टूटना एक बच्चे को अंदर से खोखला कर देता है। उसे लगने लगता है कि मेहनत का कोई फायदा नहीं, जब सिस्टम में बैठे लोग बिक सकते हैं।

सिस्टम की कमज़ोरी और मिलीभगत

भारत में पेपर लीक एक संगठित अपराध की तरह चल रहा है। एग्जाम प्रिंटिंग प्रेस से लेकर प्रश्न पत्र की ट्रांसपोर्ट और सेंटर तक पहुंचने की प्रक्रिया में कई जगहों पर सेंधमारी की जाती है। कई बार परीक्षा कराने वाली एजेंसियां भी ढीली निगरानी रखती हैं। इसका फायदा दलालों और माफियाओं को मिलता है। वे लाखों रुपए लेकर पेपर लीक कर देते हैं। यही नहीं, कुछ कोचिंग सेंटर इस काले धंधे में गुपचुप हिस्सेदारी कर बच्चों और उनके परिवारों की उम्मीदों के साथ खिलवाड़ करते हैं। जब तक सिस्टम में बैठे लोग पूरी ईमानदारी और जवाबदेही नहीं निभाएंगे, तब तक इस बीमारी का इलाज मुमकिन नहीं।

युवाओं का मनोबल गिरता है

पेपर लीक की खबर जब अखबारों में आती है, तो सबसे ज्यादा नुकसान उन बच्चों को होता है, जो पूरी मेहनत से परीक्षा देकर लौटे होते हैं। पेपर रद्द होने के बाद उन्हें फिर से परीक्षा की तैयारी करनी पड़ती है। यह मानसिक दबाव बच्चों की पढ़ाई से उनका विश्वास और लगाव खत्म कर देता है। परीक्षा की तारीखें बदलने और दोबारा परीक्षा की प्रक्रिया से बच्चों में असुरक्षा और डर का माहौल पैदा होता है। इससे बहुत से बच्चों में डिप्रेशन और आत्महत्या जैसे खतरनाक कदम उठाने की नौबत भी आ जाती है। पेपर लीक की वजह से युवाओं की ऊर्जा और उत्साह बर्बाद हो रहा है, जो देश के लिए नुकसानदायक है।

भ्रष्टाचार का विस्तार

पेपर लीक का संबंध सीधे भ्रष्टाचार से भी है। जब लोग पैसे देकर परीक्षा पास करने के लिए पेपर खरीदते हैं, तो वे अपने करियर की शुरुआत ही भ्रष्ट तरीकों से करते हैं। यही लोग भविष्य में सिस्टम में जाकर रिश्वतखोरी और अनियमितताओं को बढ़ावा देते हैं। पेपर लीक रोकने में असफल सिस्टम भ्रष्टाचार को पैदा कर रहा है। अगर किसी बच्चे ने पेपर लीक के दम पर सरकारी नौकरी पाई है, तो वह आगे चलकर भी वही तरीका अपनाएगा। इस वजह से पूरे समाज में बेईमानी का जहर फैलता है और मेहनत करने वाले लोगों का हक मारा जाता है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी

कई बार पेपर लीक के मामलों में कार्रवाई सिर्फ दिखावे के लिए होती है। कुछ छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर दिया जाता है या कुछ लोगों की गिरफ्तारी करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। बड़े अधिकारियों और माफियाओं पर हाथ डालने की हिम्मत नहीं दिखाई जाती।

राजनीतिक दल भी इस मुद्दे पर गंभीरता से काम नहीं करते क्योंकि परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने में मेहनत और खर्च दोनों लगते हैं। चुनावी वादों में रोजगार और शिक्षा की बातें होती हैं, लेकिन परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाते। जब तक पेपर लीक को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत नहीं होगी, तब तक इस बीमारी का इलाज नहीं हो सकता।

समाज को खुद उठानी होगी जिम्मेदारी

पेपर लीक की बीमारी केवल सिस्टम या सरकार की वजह से नहीं है, बल्कि इसमें हम सब की भी भूमिका है। कुछ अभिभावक भी परीक्षा में सफलता के लिए गलत रास्ते अपनाने को तैयार रहते हैं। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालकर, उन्हें कम समय में बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे बच्चे भी शॉर्टकट की ओर आकर्षित होते हैं। समाज में अगर ईमानदारी को सम्मान मिलेगा और मेहनत करने वालों की कद्र होगी, तभी इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकेगा। हमें यह समझना होगा कि परीक्षा में मिली सफलता से ज्यादा जरूरी है ईमानदारी से मिली सफलता।

सख्त कानून और पारदर्शिता ज़रूरी

पेपर लीक को रोकने के लिए देश में सख्त कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभाव तभी होगा जब उनका ईमानदारी से पालन हो। राजस्थान जैसे कुछ राज्यों में पेपर लीक पर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है, लेकिन इसके बावजूद पेपर लीक रुक नहीं पा रहा। इसका मतलब है कि निगरानी और तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने की जरूरत है। प्रश्न पत्र प्रिंटिंग और वितरण में डिजिटल निगरानी, एन्क्रिप्टेड पेपर सिस्टम और ट्रैकिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल बढ़ाया जाना चाहिए। परीक्षा के संचालन में पारदर्शिता से न सिर्फ पेपर लीक रुकेगा बल्कि बच्चों का सिस्टम पर विश्वास भी बढ़ेगा।

युवाओं को खुद बदलना होगा नजरिया

पेपर लीक की बीमारी को खत्म करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। युवा अगर यह ठान लें कि वे किसी भी हालत में गलत तरीके से परीक्षा पास नहीं करेंगे, तो पेपर लीक का बाजार अपने आप खत्म हो जाएगा। युवाओं को यह समझना होगा कि गलत तरीके से मिली सफलता उनके भविष्य को खोखला कर देगी। हमें यह भी सिखाना होगा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, मेहनत ही कामयाबी की सबसे बड़ी कुंजी है। अगर युवा खुद मेहनत और ईमानदारी को अपनाएंगे, तो न सिर्फ पेपर लीक की बीमारी रुकेगी बल्कि देश में एक स्वस्थ प्रतियोगी माहौल बनेगा।

पेपर लीक सिर्फ एक प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि समाज के नैतिक पतन का संकेत है। यह बीमारी उन लाखों बच्चों के भविष्य को निगल रही है, जो कड़ी मेहनत और सपनों के साथ परीक्षा की तैयारी करते हैं। पेपर लीक रोकने के लिए कड़े कानून, पारदर्शी व्यवस्था और तकनीकी उपाय जरूरी हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है समाज और युवाओं का ईमानदारी के साथ खड़े होना।

जब तक हम सब यह नहीं समझेंगे कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है और शॉर्टकट हमें खोखला बना देगा, तब तक पेपर लीक जैसी बीमारियां हमारे समाज को खोखला करती रहेंगी। अगर हमें अपने देश की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य को बचाना है, तो इस बीमारी को जड़ से खत्म करने का वक्त आ गया है। पेपर लीक के खिलाफ लड़ाई सरकार की नहीं बल्कि हर ईमानदार नागरिक की लड़ाई है। हमें यह लड़ाई मिलकर लड़नी होगी, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक ईमानदार और मेहनत की कद्र करने वाला समाज मिल सके।

कर्बला से सबक: सच्चाई पर अडिग रहना ही असली कुर्बानी

कर्बला का जिक्र आते ही इंसानियत, सब्र और हक की आवाजें दिल में गूंजने लगती हैं। हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने जिस तरीके से यजीद की जालिम हुकूमत के सामने सच्चाई और इंसाफ का परचम बुलंद रखा, वह आज भी इंसानियत को रास्ता दिखाता है। कर्बला की सरजमीं पर दी गई कुर्बानी हमें यह याद दिलाती है कि सच्चाई और हक की राह में आने वाली मुश्किलों और कुर्बानियों से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उस पर अडिग रहना चाहिए, चाहे उसके लिए कितनी भी बड़ी कुर्बानी क्यों न देनी पड़े।

आज के दौर में जब झूठ, फरेब और नाइंसाफी का बाजार गर्म है, लोग छोटे-छोटे लालच में अपनी ईमानदारी को बेच देते हैं, तब कर्बला हमें सिखाता है कि सच्चाई से पीछे हटना ही सबसे बड़ी कमजोरी है। इमाम हुसैन ने अपने परिवार, अपने बच्चों और अपनी जान की कुर्बानी देकर यह दिखा दिया कि इंसाफ और हक के लिए खड़ा होना ही असली इस्लाम है और यही असली इंसानियत है।

आज समाज में नाइंसाफी और जुल्म बढ़ रहे हैं। कमजोर और गरीब का हक छीना जा रहा है, महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार हो रहे हैं, रिश्वत और भ्रष्टाचार ने इंसाफ को कमजोर कर दिया है। ऐसे माहौल में कर्बला हमें जिम्मेदारी का अहसास कराता है कि हमें हक की राह पर चलना है और जुल्म के खिलाफ आवाज उठानी है।

इमाम हुसैन ने कर्बला में सिर्फ जालिम हुकूमत को ही नहीं, बल्कि आने वाली नस्लों को भी यह पैगाम दिया कि सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले कभी हारते नहीं। उन्होंने प्यास, भूख और शहादत की सख्तियां झेलीं, लेकिन जालिम के सामने झुके नहीं। उन्होंने साबित किया कि अगर इंसान सच्चाई और इंसाफ पर कायम रहे, तो उसकी जीत तय है, चाहे वह जमीन पर हार जाए, लेकिन अल्लाह के पास उसकी जीत पक्की है।

आज हमें भी अपने जीवन में हुसैनी रास्ता अपनाने की जरूरत है। हमें झूठ, बेईमानी और भ्रष्टाचार से दूर रहकर ईमानदारी और इंसाफ के साथ जिंदगी गुजारनी चाहिए। अगर हमारे सामने कोई ऐसा मौका आए जहां हमें सच बोलने और हक की बात कहने में डर लगे, तो हमें कर्बला को याद करना चाहिए कि किस तरह इमाम हुसैन ने तमाम तकलीफों के बावजूद सच का दामन नहीं छोड़ा।

कर्बला सिर्फ शहादत की कहानी नहीं, बल्कि यह एक पूरी तालीम है कि हालात चाहे जैसे भी हों, हमें सच और इंसाफ की राह पर चलना है। चाहे हमें अपनी नींद, आराम, पैसा या इज्जत की कुर्बानी क्यों न देनी पड़े, लेकिन गलत के सामने झुकना नहीं है। आज अगर समाज में हर इंसान इस सोच को अपना ले, तो समाज से बहुत सी बुराइयां खत्म हो सकती हैं।

इस्लाम हमें अमन, मोहब्बत और इंसाफ की तालीम देता है। कर्बला इसी तालीम की सबसे बड़ी मिसाल है। हमें अपने घर, मोहल्ले और समाज में सच्चाई और इंसाफ को कायम करने की कोशिश करनी होगी। अगर किसी गरीब या मजलूम का हक मारा जा रहा है, तो हमें उसकी आवाज बनना होगा।

कर्बला का पैगाम मोहर्रम के महीने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर रोज हमारे लिए एक सबक है। हमें अपने बच्चों को भी यह सिखाना होगा कि सच्चाई और हक के लिए लड़ना ही असली बहादुरी है। हमें उन्हें बताना होगा कि अगर हालात मुश्किल हों, तो भी सच का साथ छोड़ना नहीं चाहिए।

इमाम हुसैन की शहादत ने यह साबित किया कि जुल्म और गलत ताकतें चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों, अगर इंसान सच्चाई और ईमानदारी पर कायम रहे, तो उसका नाम हमेशा जिंदा रहता है और जालिम मिट जाते हैं। यजीद का नाम आज भी जुल्म और फरेब की पहचान है, जबकि हुसैन का नाम इंसाफ, हक और सब्र की मिसाल बना हुआ है।

आज की इंसानी जिम्मेदारी यही है कि हम कर्बला के पैगाम को अपनी जिंदगी में उतारें। अपने घर और समाज में इंसाफ को बढ़ावा दें, सच्चाई का साथ दें और जुल्म के खिलाफ आवाज उठाएं। यह आसान नहीं होगा, लेकिन याद रखें, सच्चाई और हक की राह पर चलना ही असली कुर्बानी है

आज जरूरत है कि हम अपने दिल और नीयत को साफ रखें, समाज में फैली बुराइयों को दूर करने में अपनी भूमिका निभाएं और कर्बला से सबक लेकर सच्चाई पर अडिग रहें। यही हुसैन की राह है, यही इस्लाम की असल रूह है, और यही इंसानियत की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

मानसून की देरी और किसानों की बढ़ती परेशानियाँ

भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ के किसान अपनी मेहनत और सब्र से मिट्टी में सोना उगाते हैं। लेकिन इस मेहनत और उम्मीद की बुनियाद हर साल मानसून की बारिश पर टिकी रहती है। किसान साल भर अपने खेतों को तैयार करता है, बैल और ट्रैक्टर से खेत जोतता है, बीज और खाद खरीदने के लिए कर्ज लेता है, और आसमान की ओर उम्मीद से देखता है कि बारिश समय पर आएगी और उसके खेतों में हरियाली लहराएगी। लेकिन जब मानसून देर कर देता है, तो किसान की उम्मीदों पर पानी फिर जाता है, उसका हौसला टूटने लगता है और उसका भविष्य अंधेरे में नजर आने लगता है।

इस साल भी मानसून ने देरी कर दी है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बारिश का इंतजार करते-करते किसानों की आंखें सूख गई हैं। खेतों में बुवाई का समय निकलता जा रहा है। धान, बाजरा, मक्का, तिलहन और दलहनी फसलों की बुवाई में देरी हो रही है। कई जगहों पर किसानों ने बुवाई कर दी, लेकिन बारिश न होने के कारण बीज खेत में सूख गए। अब किसानों को दोबारा बीज खरीदकर बुवाई करनी पड़ेगी, जिसके लिए उन्हें और कर्ज लेना पड़ेगा। कर्ज की इस चक्रव्यूह में किसान फंसता चला जाता है और कई बार यह चक्र उसे आत्महत्या की कगार तक ले जाता है।

किसानों की यह परेशानी सिर्फ उनके परिवार तक सीमित नहीं रहती। जब बारिश देर से होती है और फसलें समय पर नहीं होतीं, तो इसका असर पूरे देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। अनाज, दाल, सब्जियों और फलों की कमी होने लगती है। महंगाई बढ़ जाती है और आम आदमी की थाली से दाल और सब्जियां दूर होती चली जाती हैं। गरीब और मध्यम वर्ग की रसोई में पहले से ही महंगाई की मार है, ऐसे में फसलों की देरी और कमी उनके बजट को और बिगाड़ देती है।

मानसून की देरी किसानों के लिए दोहरी मार होती है। एक तरफ बुवाई में देरी होती है, जिससे फसल तैयार होने में भी देर होती है, और दूसरी तरफ तैयार फसल को बेचने का सही समय भी निकल जाता है। देर से तैयार फसल बाजार में तब आती है जब दाम कम होते हैं और किसान को उसका मेहनताना पूरा नहीं मिल पाता। इसके अलावा, देर से बोई गई फसलें अकसर मौसम की मार का शिकार भी हो जाती हैं। अगर अक्टूबर-नवंबर में बारिश हो जाए या ओलावृष्टि हो जाए, तो फसल बर्बाद हो जाती है। किसानों की मेहनत मिट्टी में मिल जाती है और उनकी उम्मीदें टूट जाती हैं।

आज भी देश में सिंचाई की व्यवस्था इतनी मजबूत नहीं है कि किसान बारिश पर निर्भरता कम कर सकें। सरकार ने कई सिंचाई योजनाओं की घोषणा की है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आज भी देश के बड़े हिस्से में किसानों को बारिश के पानी पर ही निर्भर रहना पड़ता है। अगर समय पर बारिश नहीं होती, तो किसानों को डीजल पंप से पानी देना पड़ता है, लेकिन डीजल की बढ़ती कीमतें उनके लिए एक और चुनौती बन जाती हैं। डीजल से सिंचाई करने में किसानों का खर्च बढ़ जाता है, जिससे उनके मुनाफे में और कमी आती है।

खेती में बढ़ते खर्च और अनिश्चितता के कारण किसानों का खेती से मोह भंग भी हो रहा है। कई किसान अपने बच्चों को खेती से दूर रखना चाहते हैं ताकि उनके बच्चे भी इस अनिश्चितता और संघर्ष भरी जिंदगी में न उलझें। लेकिन सवाल यह है कि अगर किसान खेती छोड़ देंगे, तो देश का पेट कौन भरेगा। इस गंभीर स्थिति पर सोचने और समाधान निकालने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन का असर भी साफ दिखाई दे रहा है।

मौसम में अस्थिरता बढ़ गई है। कभी अचानक तेज बारिश, कभी लंबे समय तक सूखा और कभी ओलावृष्टि किसानों की परेशानियों को बढ़ा रही है। पहले जहां मानसून का समय तय रहता था, अब उसमें भी बदलाव आ गया है। कभी जून में बारिश हो जाती थी, तो अब जुलाई के अंत तक इंतजार करना पड़ता है। यह बदलाव किसानों की योजनाओं को बिगाड़ देता है। सरकार को चाहिए कि जलवायु परिवर्तन के असर को ध्यान में रखते हुए खेती की नई नीतियां बनाए, किसानों को बदलते मौसम की जानकारी समय पर दे और उन्हें ऐसी फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित करे जो कम पानी में भी अच्छी उपज दे सकें।

किसानों को बारिश की देरी से बचाने के लिए जल संरक्षण पर जोर देना होगा। गांवों में पुराने तालाबों और जोहड़ों को फिर से जीवित किया जाए, ताकि बारिश का पानी जमा किया जा सके और जरूरत पड़ने पर खेतों तक पहुंचाया जा सके। ड्रिप इरिगेशन

और स्प्रिंकलर सिस्टम जैसी सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए ताकि पानी की बचत हो और किसानों को सिंचाई में कम खर्च करना पड़े।

फसल बीमा योजना का लाभ भी किसानों तक समय पर पहुंचना चाहिए। आज भी कई किसानों को फसल बीमा का पैसा महीनों बाद मिलता है। जब तक पैसा आता है, तब तक किसान कर्ज में डूब जाता है। अगर फसल बीमा का पैसा समय पर मिल जाए, तो किसानों को थोड़ी राहत मिल सकती है और उन्हें दोबारा खेती शुरू करने में मदद मिलेगी।

मानसून की देरी पर चर्चा हर साल होती है, लेकिन समाधान की दिशा में ठोस कदम कम उठाए जाते हैं। हमें इस समस्या का स्थायी समाधान ढूंढने की जरूरत है। जल संरक्षण, सिंचाई व्यवस्था का सुधार, किसानों को समय पर सस्ती दरों पर बीज और खाद उपलब्ध कराना, फसल बीमा का लाभ दिलाना, और मौसम की सटीक जानकारी किसानों तक पहुंचाना आज की जरूरत है।

किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर देश आगे नहीं बढ़ सकता। किसानों की मेहनत और संघर्ष से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। अगर किसान परेशान रहेंगे, तो देश की प्रगति भी रुक जाएगी। इसलिए किसानों की परेशानी को अपनी परेशानी समझकर सरकार और समाज को मिलकर उनके लिए काम करना होगा।

मानसून की देरी और अनिश्चितता से निपटने के लिए हमें विज्ञान और तकनीक का सहारा लेना होगा। मौसम विभाग की सटीक भविष्यवाणी और उसकी जानकारी किसानों तक मोबाइल और रेडियो के माध्यम से समय पर पहुंचाई जाए। किसानों को बदलते मौसम के हिसाब से फसल चक्र बदलने के लिए प्रशिक्षित किया जाए। कम पानी में अधिक उपज देने वाली फसलों पर शोध किया जाए और उन्हें किसानों तक पहुंचाया जाए। भारत का भविष्य खेतों में लहराती फसलों में छुपा है। अगर खेत सूने रहेंगे, तो शहर भी खुशहाल नहीं रह पाएंगे। किसानों की खुशहाली ही देश की खुशहाली है। हमें यह समझना होगा कि मान सून की देरी को केवल किस्मत मानकर बैठने से कुछ नहीं होगा। हमें जल प्रबंधन और खेती के आधुनिक तरीकों को अपनाना होगा। गांवों में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा ताकि हर बूंद पानी का सही इस्तेमाल हो सके।

किसानों को अपने हालात सुधारने के लिए भी संगठित होकर कदम उठाने होंगे। किसान संगठनों को मानसून की देरी से होने वाली परेशानियों को लेकर सरकार से ठोस नीतियां और राहत पैकेज की मांग करनी चाहिए। साथ ही, खेती के पारंपरिक तरीकों में सुधार कर, नई तकनीकों को अपनाकर और जल संरक्षण कर खुद को मौसम की मार से बचाने की दिशा में भी कदम बढ़ाने होंगे।

मानसून की देरी ने किसानों की परेशानियों को फिर से उजागर कर दिया है। यह देश के नीति निर्माताओं के लिए चेतावनी है कि अब वक्त आ गया है कि खेती और किसानों के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए। खेती को नुकसान से बचाने के लिए मजबूत नीतियां बनाई जाएं और उनका क्रियान्वयन ईमानदारी से किया जाए।

आज अगर हमने किसानों की समस्याओं को हल नहीं किया, तो आने वाले समय में देश में खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि हम मानसून की देरी और मौसम की अनिश्चितता को गंभीरता से लें और जल संरक्षण, सिंचाई, फसल बीमा और कृषि सुधार को देश की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएं। किसानों की खुशहाली ही देश की असली खुशहाली है और इस खुशहाली को बनाए रखने के लिए हमें अभी से ठोस कदम उठाने होंगे।

उपमुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित स्वयंसिद्धा मेले का किया अवलोकन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री एवं भीलवाड़ा जिला प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पर लघु उद्योग भारती द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित स्वयंसिद्धा— 2025 मेले का अवलोकन किया और महिला उद्यमियो का उत्साहवर्धन किया। इसके पश्चात उपमुख्यमंत्री ने लघु उद्योग भारती द्वारा महिला सशक्तिकरण थीम पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया।

डॉ. बैरवा ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना मातृ शक्ति के स्वावलम्बी होने से है। लघु उद्योग भारती संस्था महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र मे एक विशेष एवं महती भूमिका निभा रही है।

स्वयंसिद्धा जैसे आयोजनों के माध्यम से महिलाओ को अपने उत्पादों के विज्ञापन और विपणन में आसानी हो रही है, नए बाजार मिल रहे हैं। ऐसे आयोजन महिला उद्यमियों के आत्मविश्वास को पुष्ट करते हैं। उन्होंने इस अभिनव प्रयोग की प्रशंसा की ।

कार्यक्रम में भारतीय रक्षा अनुसंधान संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. मीना मिश्रा ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चियों के लिए बहुत संभावना हैं। उन्हें दृढ़ संकल्प के साथ बड़े लक्ष्य हासिल करने हैं। निजी अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि हमारी टीम को बहुत बार ऐसे टास्क मिलते हैं जिसके बारे में हमारे पास कुछ भी जानकारी,अनुभव नहीं होते हुए भी वह टास्क हमने पूरा किया है, सेमी कंडक्टर चिप तैयार करना इसका एक उदाहरण है।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि लघु उद्योग भारती आज उद्यमी और सरकार के मध्य सेतु का काम कर रही है। केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला स्वावलंबन को बल देने हेतु कार्य कर रही है। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं स्वयसिद्धा आयाम की प्रमुख अंजू सिंह ने बताया कि लघु उद्योग भारती के मेले प्रोडक्ट को मार्केट तक पहुंचाने का काम करता है। इसके अतिरिक्त हम उद्यम, व्यवसाय के लिए आसान ऋण की सरकारी एवं बैंक स्कीम महिला उद्यमियों तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक अशोक कोठारी, भीलवाड़ा जिले की इकाई अध्यक्षा पल्लवी लड्ढा, प्रशांत मेवाडा, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य चंदा मूंदड़ा, सरिता अग्रवाल, रेखा इनानी, आशा सोमानी, आशा अग्रवाल, शोभा डाड, सुमित्रा हुरकुट, रीटा गोयल, रक्षा जैन, रीना डाड , शिखा भदादा आदि उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने स्वयंसिद्धा 2025 मेले का किया शुभारंभ-

इसके पूर्व मंगलवार को ही जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू एवं एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र ने मंगलवार को प्रातः स्वयंसिद्धा— 2025 मेले का शुभारंभ किया। लघु उद्योग भारती की सचिव एवं समन्वयक नीता बंसल ने बताया कि प्रदर्शनी में भीलवाड़ा, जोधपुर, जयपुर, ब्यावर, अलवर, कोटा, राजसमंद, किशनगढ़ से आई उद्यमियों ने हैंडीक्राफ्ट, ज्वेलरी, साड़ी, कुर्ती, होम डेकोर, हैंडलूम, राखी, पोशाक, गिफ्ट आइटम, गृह निर्मित चॉकलेट आदि की 70 स्टॉल लगाई है।

जन परिवेदनाओं के निस्तारण का अंतिम पड़ाव बने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये निर्देश

- नरसिंहपुर में लिया शिविर का जायजा, आमजन से संवाद कर लिया फीडबैक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जयपुर जिले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है।

जयपुर जिले में शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मंगलवार को जिला कलक्टर ने सांगानेर के नरसिंहपुर में आयोजित शिविर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने शिविर में उपस्थित आमजन से संवाद किया एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर फीडबैक भी लिया। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी।

वहीं, जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शिविरों में हुए कार्यों की प्रगति की उपखंडवार एवं विभागवार समीक्षा की साथ ही आगामी शिविरों की कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को पखवाड़े के तहत आयोजित किये जा रहे शिविरों के सफल संचालन करते हुए ज्यादा से ज्यादा आमजन को राहत पहुंचाने के लिए निर्देशित किया।

गौरतलब है कि जयपुर जिला प्रशासन द्वारा पखवाड़े के तहत जिले के 16 उपखण्डों की 19 पंचायत समितियों की 461 ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन औसतन लगभग 35 ग्राम पंचायत में प्रातः 9:30 बजे से सायं 05:30 बजे तक आयोजित हो रहे शिविरों में 16 विभागों द्वारा 63 कार्य किए जा रहे हैं। शिविरों का आयोजन दिनांक 07 जुलाई तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर एवं दिनांक 8 जुलाई एवं 9 जुलाई को फॉलोअप कैम्प तहसील मुख्यालय पर किया जायेगा। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक नोडल अधिकारी, तकनीकी नोडल अधिकारी और उपखंडवार नोडल प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

जिला प्रशासन द्वारा पीएम सूर्य घर बिजली योजना, श्मशान भूमि आवंटन, जनसुनवाई शिकायतों का निस्तारण भी किया जा रहा है। जिला परिषद द्वारा शिविर में मातृभूमि से कर्म भूमि, हरियालो राजस्थान, वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रचार-प्रसार, अनुपयोगी भवनों को राजीविका समूहों के लिए कार्यशाला के रूप में उपलब्ध कराना एवं ऑपन जिम की स्वीकृति जारी करना आदि कार्य किए जा रहे है। प्रत्येक शिविर में हेल्प-डेस्क स्थापित की गई है जिस पर ग्राम विकास अधिकारी अथवा ग्राम रोजगार सहायक विजिटर्स बुक संधारित कर शिविर में आने वाले लाभान्वितों एवं आगन्तुकों एवं जनप्रतिनिधियों का ब्यौरा संधारित कर रहे हैं।

प्रदेश में पशुपालन डिप्लोमा प्रशिक्षण संस्थान खोलना अब होगा आसान

-मंत्रीमंडलीय उप समिति ने आवश्यक संशोधन के दिए सुझाव

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में अब दो वर्षीय पशुपालन डिप्लोमा संस्थान खोलना अब और भी आसान होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देशन में गठित मंत्री मंडलीय उप समिति ने पशुपालन डिप्लोमा संस्थान की स्थापना/संचालन हेतु विभागीय प्रक्रिया/दिशा-निर्देश/नीति-2022 में आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव दिया है। इस संशोधन के बाद संशोधित पॉलिसी-2025 के लागू होने से डिप्लोमा कॉलेज खोलना आसान हो जाएगा। मंत्री मंडलीय उप समिति के संयोजक व पशुपालन, गोपालन, देवस्थान एवं डेयरी विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में सात बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसमें उप समिति के सदस्य व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कुछ बिंदुओं में आवश्यक संशोधन का सुझाव रखा। इन संशोधन के सुझावों पर समस्त सदस्यों की सहमति के बाद निर्णय के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पास भेजा जाएगा।

उप समिति के संयोजक जोराराम कुमावत ने बताया कि नए संस्थान के लिए आवेदक संस्थान के नाम कुल भूमि, पंजीकरण शुल्क व निरीक्षण शुल्क, संस्थान में सीसीटीवी एवं बायोमैट्रिक मशीन के प्रावधान, सीट में बढ़ोतरी तथा निजी विश्वविद्यालयों हेतु एनओसी से संबंधित प्रावधान पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि नीति-2022 में कुछेक बिंदुओं पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अनुमति के बाद आंशिक संशोधन के उपरांत नई पॉलिसी-2025 लागू की जाएगी। इसके बाद नई पॉलिसी के तहत प्रदेश में पशुपालन डिप्लोमा संस्थान खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर से संबंद्ध कुल 81 संस्थानों द्वारा दो वर्षीय पशुपालन डिप्लोमा पाठयक्रम का संचालन किया जा रहा है। इन संस्थानों में से जोधपुर, उदयपुर, कोटा एवं जयपुर सहित कुल चार प्रशिक्षण संस्थान राजकीय क्षेत्र में स्थापित हैं। इन संस्थानों से दो वर्षीय डिप्लोमा पाठयक्रम प्राप्त कर प्रतिवर्ष लगभग 5000 से अधिक पैरा-वेट्स उतीर्ण होते हैं। अब प्रदेश में आवश्यकतानुसार और नए डिप्लोमा संस्थान खोलने के लिए नीति-2022 में आवश्यक संशोधन के बाद नए संस्थान खोले जाएंगे। बैठक में पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की शासन उप सचिव संतोष करोल, पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. आनंद सेजरा तथा विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मंत्रीगण समिति ने अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई जा रही विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंगलवार को शासन सचिवालय में मंत्रीगण समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राज्य सरकार एवं गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के बीच हुए समझौतों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की अगुवाई में सम्पन्न हुई इस बैठक में गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के निस्तारण, रोस्टर एवं विभिन्न भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, देवनारायण योजना की प्रगति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दओं पर सकारात्मक चर्चा की गयी। समिति द्वारा सम्बंधित विभागों को इस सम्बन्ध में 15 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए तथा आंदोलन समिति द्वारा नामित प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्रीमती अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर ए. सावंत सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. ललित के. पंवार ने नीति आयोग के समक्ष पर्यटन विकास का रोडमैप रखा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नीति आयोग में मनोनीत विशेष आमंत्रित पर्यटन विशेषज्ञ डॉ. ललित के. पंवार ने मंगलवार को नई दिल्ली में नीति आयोग के समक्ष देश में पर्यटन विकास को और गति प्रदान करने के संबंध में विस्तार से प्रजेन्टेशन दिया और बताया कि देश में पर्यटन को विकसित करने तथा इसे घरेलू उद्योग के रूप में स्थापित करने की असीम संभावनाएं हैं ।

नीति आयोग के सदस्य और रिटायर्ड आईएएस राजीव गौबा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में डॉ. पंवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के पर्यटन को पूरे विश्व में स्थापित करने के लिये उठाए सशक्त कदमों की सराहना की। बैठक में आयोग के संयुक्त सचिव राजीव ठाकुर भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि डॉ. ललित के. पंवार भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1979 बैच के अधिकारी रहे हैं। उन्होंने राजस्थान के पर्यटन सचिव व राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अभिनव प्रसास किए, जिन्होंने पूरे विश्व में ख्याति अर्जित की। सेवानिवृत्ति के पश्चात वे अगस्त, 2015 से अगस्त, 2017 तक राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे। इस अवधि में आयोग ने अनेक क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियाँ प्राप्त की। उनके अध्यक्ष रहते हुए राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा देश में पहली बार "ऑन स्क्रीन मार्किंग" के आधार पर उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच की गई जिसके निरीक्षण के लिये संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष स्वयं अजमेर आये और कार्य प्रणाली को देखकर इसकी प्रशंषा की। डॉ. ललित के. पंवार भारत सरकार में पर्यटन सचिव व भारतीय पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष भी रहे हैं।

कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने राजस्थान विधानसभा का किया अवलोकन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने मंगलवार को राजस्थान विधानसभा का अवलोकन किया। राजस्थान विधानसभा की सहचर समिति के अधिकारियों के साथ शिष्टाचार बैठक में दोनों राज्यों की विधायी कार्यप्रणालियों एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के साहित्यों का आदान-प्रदान किया गया।

बैठक के दौरान राजस्थान विधानसभा अध्यणक्ष वासुदेव देवनानी के नेतृत्वह में किये जा रहे नवाचार योजनाओं, प्रशासनिक संरचना, डिजिटलाइजेशन, संसदीय प्रशिक्षण, शोध एवं अभिलेखन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। विधायकों एवं अधिकारियों के क्षमता विकास हेतु अपनाई गई कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर कर्नाटक विधान सभा की अधीनस्थय विधान संबंधी समिति के सदस्यंगण डी.जी. शांतनगौड़ा, एम.के.कृष्णकप्पा।, टी.एस.श्रीवत्स व, ए.किरणकुमार कोडगी, सी.के.राममूति, विठ्ठल सोमन्ना हलगेकर का राजस्थान विधानसभा की अधीनस्थव विधान संबंधी समिति के उप सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा ने स्वामगत किया।

कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थि विधान संबंधी समिति के सदस्योंनि बताया कि राजस्थान विधान सभा द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्पद है। कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन किया, जहाँ उन्हें राजस्थान की समृद्ध संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक विकास यात्रा एवं विधानसभा की कार्यप्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। समिति ने म्यूजियम में प्रदर्शित दृश्य-श्रव्य सामग्रियों में विशेष रुचि दिखाई। समिति ने राजस्थान विधानसभा के मुख्य सदन कक्ष का भी अवलोकन किया, जहाँ उन्हें सदन की संरचना, कार्यप्रणाली तथा राजस्थान के संसदीय इतिहास के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। इस मौके पर राजस्थांन विधान सभा की अधीनस्थस विधान संबंधी समिति के परामर्शदाता, देवेन्द्र प्रसाद चौटिया, सहायक सचिव दिनेश कुमार जैन, सहायक सचिव (प्रोटोकॉल) दिनेश कुमार शर्मा और अनुभाग अधिकारी नवीन दाधीच उपस्थित रहें।

आमजन के लिए वरदान साबित हो रहा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत दौसरा पंचायत समिति माधोराजपुरा में मंगलवार को आयोजित शिविर श्रीमती मन्नी देवी पत्नी नाथु राम दर्जी निवासी डिडावता ग्राम पंचायत डिडावता के लिये वरदान साबित हुआ है।

राजस्थान सरकार ने अन्तिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को उसकी समस्या को पहचान कर सुविधा व सरकारी योजनाओ में लाभान्वित करने के लिये पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाडा के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर एक दिवसीय शिविर लगाकर ऐसे पात्र व्यक्तियो की पहचान कर मौके पर ही लाभान्वित करने की व्यवस्था की है। जयपुर जिले की पंचायत समिति माधोराजपुरा की ग्राम पंचायत डिडावता में 85 वर्षीय महिला मन्नी देवी को दो साल से बन्द पड़ी पेशन को चालू करवाने का कार्य प्रभारी तहसीलदार माधोराजपुरा व विकास अधिकारी माधोराजपुरा एवं सरपंच, पंचायत समिति सदस्य ने उपलब्ध करवाया तो उसकी बूढ़ी आंखो में भी खुशी के आंशू छलक आए। बुढ़ापे में पेंशन मन्नी देवी का सम्बल जो ठहरी।

पण्डित दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा शिविर ग्राम पंचायत नांगल भरडा, पंचायत समिति गोविन्दगढ में आयोजित होने की जानकारी जैसे ही बीमार मधु वर्मा पत्नी रोशन वर्मा ग्राम डोला का बास को मिली तो वह तत्काल शिविर में आई। कुछ समय से खांसी और शरीर से कमजोर व गरीब मधु वर्मा घर से दुर सरकारी अस्पताल होने के कारण अपनी बीमारी का ईलाज नही करा पा रही थी परंतु यहां पर आयोजित शिविर में चिकित्सा विभाग के डॉ. व स्टॉफ ने उसकी खून व पेशाब की जांच कराकर तत्काल ईलाज किया व आवश्यक दवाईयां उपलब्ध करवाने के साथ-साथ कमजोरी दुर करने के लिए चिकित्सा विभाग की तरफ से पौषण किट भी उपलब्ध करवाया गया। शिविर का आयोजन मधु वर्मा के घर के पास होने कारण उसकी समय पर जांच, चिकित्सा, दवाइयां व पोषण किट मिलने के कारण राजस्थान के संवेदनशील माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

सीए राष्ट्र के आर्थिक स्तंभ के रूप में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं - लोहानी

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। ऑल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी अब्दुल अज़ीज़ लोहानी ने कहा कि यह दिन उन सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को समर्पित है जो राष्ट्र के आर्थिक स्तंभ के रूप में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। यह शब्द लोहानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर विद्वान काबिल और मशहूर सीए रतन कुमार अग्रवाल जी को सम्मानित करते हुए कहे। लोहानी ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट आर्थिक वृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उनके योगदान को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है और महत्व दिया जाता है। लोहानी ने कहा कि सीए कॉर्पोरेट प्रशासन, कराधान और जोखिम प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो भारत के आर्थिक विकास में इसके वैश्विक प्रभाव और स्थायी महत्व को दर्शाता है सीए रतन कुमार अग्रवाल ने कहा कि बड़े सिलेबस और मुश्किल पेपर पैटर्न के चलते बहुत कम छात्र ही इसे पार कर पाते हैं। सीए की इस सलेक्शन प्रणाली के चलते इस कोर्स को बहुत कठिन माना जाता है। इस वजह से कई छात्रों का पहले से ही आत्मबल कम होने लगता है। लेकिन सही तरीके और बेहतर इंस्टीट्यूट की मदद से इस परीक्षा को आसानी से पास किया जा सकता है।

राजीविका की एम्पावरमेंट कमेटी की 20 वीं बैठक का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती श्रेया गुहा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थिति कॉफ्रेंस हॉल में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की एम्पावरमेंट कमेटी की 20 वीं बैठक का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग ने बताया कि राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है और इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यह परिषद् स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और आजीविका संवर्धन का कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि राजीविका का मुख्य कार्य स्वयं सहायता समूह का गठन व सशक्तिकरण, ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देना, वित्तीय सहायता, विपणन सुविधा उपलब्ध कराना, विभिन्न आजीविका गतिविधियों जैसे हस्तशिल्प, कृषि, पशुपालन आदि को बढ़ावा देना और स्वयं सहायता समूह को वित्तीय संस्थाओं से ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है। राज्य मिशन निदेशक आजीविका परियोजनाएं एवं स्वयं सहायता समूह श्रीमती नेहा गिरी ने बताया कि सोलर दीदी भारत सरकार के वर्ष 2030 तक नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में राजस्थान सरकार द्वारा नवीन पहल के तहत सोलर दीदी कैडर का गठन किया गया है। सोलर दीदी कैडर का प्रारंभ ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं महिला उद्यमिता को सशक्त करने के उद्देश्य से किया गया है।

बैठक में पिछली 19 वीं बैठक की कार्यवाही को स्वीकृति दी गई और कार्यवाही स्थिति की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं की प्रगति की एवं नए वित्तीय वर्ष की घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की घोषणाओं में सोलर दीदी, राजस्थान महिला निधी, समावेषी आजीविका योजना की समीक्षा की गई साथ ही लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी और पशु सखी को प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर बेस्ट पर्फोमेंस वाली 10 दीदियों को टेबलेट दिये जाने की भी समीक्षा की गई।

बजट घोषणा 3 लाख लखपति दीदियों को 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 1 लाख रुपये तक का लोन दिये जाने की भी समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त मनरेगा श्रीमती पुष्पा सत्यानी, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, आयुक्त श्रम विभाग श्रीमती पूजा कुमारी पार्थ, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन सुश्री सलोनी खेमका, प्रोजेक्ट निदेशक (प्रशासन) राजीविका श्रीमती प्रीति सिंह सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

इनरव्हील क्लब के नये कार्यकाल की शुरुआत पर ब्लड डोनेशन कैंप और सम्मान समारोह का आयोजन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां ने अपने नये कार्यकाल की शुरुआत सेवा और सम्मान के साथ की। 2025-26 की नवनियुक्त अध्यक्ष नीतु गुप्ता ने अपने कार्यकाल का शुभारंभ ब्लड डोनेशन कैंप लगाकर किया। साथ ही, डॉक्टर्स डे और सीए डे के उपलक्ष्य में डॉक्टर्स एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का भी सम्मान कर एक सराहनीय पहल की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बिंदु मारू ने अपनी उपस्थिति दी। क्लब की सचिव सीमा सिंह ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। मंच का संचालन मर्दुला मारू द्वारा सुंदर तरीके से किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष नीतु गुप्ता ने बताया क्लब द्वारा 21 यूनिट बल्ड डोनेट हुआ क्लब की मंजू बंसल द्वारा भी बल्ड डोनेट किया गया इस अवसर पर नई पहल करते हुए यूथ सीए इशिता जेन, अमीषा, निधि, कृष्णा नामा, सोनल, डॉ. नेहा गुप्ता, डॉ. रितिका गोयल का भी सम्मान किया गया। इनरव्हील क्लब हमेशा समाज सेवा को समर्पित रहेगा और भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रेरणा शर्मा, नेहा गुप्ता, शिल्पा अग्रवाल, अंजू जैन सहित अन्य सदस्या उपस्थित रही।

गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन की जानिब से 'लर्निंग बाई फ़न' मेंहदी, ड्राइंग सहित अन्य प्रतियोगिता आयोजित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन बारां इकाई द्वारा सोमवार को एक दिवसीय कैंप 'लर्निंग बाई फ़न' के तहत जामिया कौसर स्कूल में आयोजित किया गया। संगठन की अध्यक्ष गुल्फ़िज़ा अंजुम ने बताया कि प्रतियोगिता में मेंहदी, ड्रॉइंग, म्यूजिकल चेयर, बलून रेसिंग, इस्लामिक क्यूट्ज जैसे गेम आयोजित किए गए। प्रोग्राम का मकसद बच्चों के अंदर सलाहियत में इजाफा करना ओर तंजीम से जोड़कर उनमें दीनी फ़हम पैदा करना था। प्रतियोगिता में 85 से 90 बच्चे बच्चियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों से पौधे भी लगाए गए और पेड़ पौधों का महत्व बताया गया। प्रोग्राम में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले बच्चे-बच्चियों को प्रोग्राम मं उपस्थित मेहमानों द्वारा ईनामात से नवाजा गया। प्रोग्राम के मुख्य अतिथि जियाउर्रहमान जमात-ए-इस्लामी के सेकेट्री, यूसुफ राज, रुकन जमात-ए-इस्लामी बारां रहे। प्रोग्राम को कामयाब बनाने में जीआईओ की सेकेट्री महजबी अंसारी, सदस्य शाजिया, अलीशा, तस्मिया, नाजिया, सादिया सहित अन्य सदस्याओं ने अहम भूमिका निभाई।

तिभा खोज ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद एवं जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र, सवाई माधोपुर के तत्वावधान में 16 से 30 जून, 2025 तक प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रतिभा खोज ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में फुटबॉल, हैण्डबॉल, ताईक्वाण्डो एवं राईफल शूटिंग के चयनित प्रतिभागियों को प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सोमवार को जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र, सवाई माधोपुर पर प्रशिक्षण शिविर के समापन कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि मेहनाज पटेल, पूर्व प्रदेश सह संयोजक, सोशल मीडिया, अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान व जिला खेल अधिकारी, अब्दुल वहीद द्वारा कर सभी प्रतिभागियों को निरन्तर वर्ष पर्यन्त अपने खेल कौशल में वृद्धि हेतु प्रेरित किया गया। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद से प्राप्त टी-शर्ट एवं प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसमें फुटबॉल खेल की उत्कृष्ट प्रतिभावान खिलाड़ी अवनिका सिंह व संयम भारद्वाज को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिला खेल अधिकारी अब्दुल वहीद ने बताया कि राजस्थान सरकार की "हरियालो राजस्थान" योजनान्तर्गत सभी शिविर प्रतिभागियों को वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु प्रेरित करते हुये पौधे भी वितरित किये गये।

इस दौरान खेल विभाग के पृथ्वी सिंह हाड़ा, सुनील गर्ग, संजय सिंघल, रईस खान, संजय सिंह राठौड़, अरबाज खान, श्याम सिंह, हेमन्त सिंह, मुनेश योगी, संजय शर्मा तथा समस्त खिलाड़ी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों का किया सम्मान

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। स्व.श्री ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति बारां ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के मौके पर चिकित्सकों का सम्मान किया। समिति के प्रवक्ता शशांक शर्मा ने बताया कि समिति सदस्यों द्वारा बारां के शहीद राजमल मीणा चिकित्सालय पहुँचकर पीड़ित मानव की सेवा करने वाले, धरती के भगवान कहे जाने वाले चिकित्सकों व रेजिडेंट चिकित्सकों का तिलक वंदन करके स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए सम्मान किया।

समिति के सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि चिकित्सक का हम सभी के जीवन मे एक अहम रोल रहता है जिससे कई गंभीर रोगों से मुक्ति पीड़ित मरीज को मिलती है इसलिए धरती पर चिकित्सक को भगवान को दर्जा दिया गया। चिकित्सक दिवस पर हर आमजन का कर्तव्य बनता है कि वो चिकित्सक के प्रति सम्मान व्यक्त करे इसी कड़ी में आज फिजीशियन, पीडिया, ऑर्थो, गायनी डॉ. का सम्मान किया गया। सम्मान की शुरुआत बारां के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र मेघवाल के सम्मान से शुरू की गई। डॉ. नरेंद्र मेघवाल के अथक प्रयासों से बारां के जिला चिकित्सालय में मरीजो को बेहतरीन ईलाज मिल रहा है। जहाँ सर्जरी विभाग से डॉ. हेमंत डडवारिया, डॉ. देवीशंकर नागर, डॉ. हरिओम बैरवा, डॉ. हेमराज नागर, डॉ. राजाराम मीणा ऑर्थो विभाग से डॉ. सत्येंद्र गोयल, डॉ. लखन मीणा, डॉ. शुभांशु जैन, डॉ. संजय मीणा, फिजिशियन विभाग में डॉ. हरिओम मीना, डॉ. सतीश अग्रवाल, डॉ. धनराज सुमन, डॉ. महेंद्र नागर, डॉ. दिलीप मीणा, डॉ. नरेन्द्र शाक्यवाल, डॉ. नीरज नागर पीडिया विभाग में डॉ. रवि मीणा, डॉ. गिर्राज मीणा, डॉ. देवेंद्र मीणा, डॉ. दीक्षा शाक्यवाल, डॉ. नितेश मीणा, गायनिक विभाग डॉ. गिरधर नागर, डॉ. मालती मीणा, डॉ. सिंपल अग्रवाल, डॉ. अर्चना शाक्यवाल का सम्मान किया गया।

पंचायतीराज मारवाड़ ब्लॉक की कार्यकारिणी घोषित

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जयपुर प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री सम्भाग प्रभारी बलदेवराम बेनीवाल की स्वीकृति पर पंचायती राज के पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने पाली जिले के मारवाड़ ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा की।

जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष मोहनलाल दादालिया के नेतृत्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर देवीसिंह कुंपावत सीचाना, रफीक पठान, कंटालिया उपाध्यक्ष एडवोकेट भीखाराम मेंशन राणावास, हीरसिंह रावत, वासोंर श्रवण कुमार, हीरागर धनला, पूसाराम मीणा, कोलपुरा गणपत दर्जी, इंसाली महासचिव मोहनलाल बाबल, अशोक दादालिया, महिपाल सोलंकी, कायावला फुलाद, हरिराम, चितारा राणावास, भवर लाल परिहार कोलपुरा, सचिव केसर सिंह जोकड़िया, चिमन सिंह, रावत, तेजा, गुड़ा, दोला राम रैगर जेतपुरा, बाबू शाह धनला, किस्तूर बॉस व्यापारी संगठन सचिव नारायण देवासी, अन्नराज परिहार, सिरियारी शंकर लाल सेन, सुखा राम मेघवाल, सफी भाई राणावास, हितेश गर्ग मलसा बावड़ी, घीसाराम भाटी, मोहनलाल बोराना, सुगन भालेसा, रताराम गुड़ा, सुर सिंह, मदनलाल गर्ग, मनोहर उर्फ कालू वाल्मीक की नियुक्ति प्रदान की गई

मारवाड़ ब्लॉक की कार्यकारिणी घोषणा होने पर समन्वयक प्रल्हाद कंडारा सहित अनेक कांग्रेस जनों ने खुशी जाहिर की और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा प्रदेश अध्यक्ष सी बी यादव पाली जिला प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाहा पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया।

मुख्यमंत्री से विधायक भाटी ने दो अग्निशमन वाहन की मांग की

-रोहट जैतपुर में अग्निशमन वाहन की आवश्यकता- भाटी

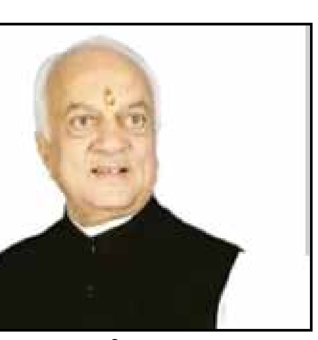

पाली, (रॉयल पत्रिका)। विधायक भीमराज भाटी ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल को पत्र लिख कर रोहट पंचायत समिति में रोहट व जैतपुर में दो अग्निशमन वाहन उपलब्ध करवाने की मांग की।

विधायक प्रतिनिधि मदन सिंह जागरवाल ने बताया की विधायक भीमराज भाटी ने पत्र में बताया कि पाली विधानसभा श्रेत्र में सिर्फ पाली शहर नगर निगम में ही अग्निशमन वाहन है। रोहट श्रेत्र के दूरदराज अंतिम गांव गेलावास, देवान, सावलता, हरावास आदि अनेक गांव पाली से 60 ,70 किलोमीटर दूर है। इस श्रेत्र में आगजनी घटना होने पर अग्निशमन की बहुत आवश्यकता है। पाली से वाहन आने में डेढ़ घंटा लग जाता है तब तक गरीब पीड़ित परिवार का पूरा वाड़ा मकान जल जाता है। रोहट श्रेत्र में पीने के पानी की भी किल्लत रहती है ऐसे में किसान परिवार को अपनी जान मॉल को बचाने का कोई दूसरा उपाय नहीं है।

पाली विधायक भीमराज भाटी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पुर जोर मांग की है कि मेरे विधानसभा में रोहट उपखंड पर और जैतपुर उप तहसील मुख्यालय पर जन हित में दो अग्नि शमन वाहन उपलब्ध करवाया जाए ताकि सबसे पिछड़ा श्रेत्र के किसानों के साथ आम जन को ये सुविधा उपलब्ध हो सके।

अनुशासित, कर्तव्यनिष्ठ और संवेदनशील प्रशासन प्राथमिकता- जिला कलक्टर

-जिले के विकास और प्रगति के लिए सामूहिक और समन्वित प्रयास की जरूरत

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम ने सवाई माधोपुर जिले की अंतरराष्ट्रीय ख्याति को और अधिक निखारने के लिए प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त रखने की प्रतिबद्धधता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में राजस्थान के इस जिले की एक विशिष्ट पहचान है, जिसे अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

जिला कलक्टर मंगलवार को स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। बीते सप्ताह जिले के प्रशासनिक मुखिया के रूप में कार्यग्रहण करने के बाद पहली बार आयोजित प्रेस वार्ता में काना राम ने कहा कि अनुशासित, कर्तव्यनिष्ठ और संवेदनशील प्रशासन उनकी प्राथमिकता है। उनका प्रयास होगा कि किसी भी विशेष परिस्थिति और समस्या-समाधान के लिए संबंधित अधिकारी मौके पर अवश्य पहुंचे। ऐसा होने से यथोचित गुणवत्ता और तीव्रता से समाधान संभव हो सकेगा।

जिला कलक्टर ने बताया कि सवाई माधोपुर जिले को प्रगति और विकास के पायदान पर पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन, अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों, कार्मिकों और अन्य प्रबुद्धजनों को सामूहिक और समन्वित प्रयास करने होंगे। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठकों में फीडबैक लेने की प्रक्रिया के समानांतर जन प्रतिनिधियों, वरिष्ठजनों और पत्रकारों आदि समूहों के संवाद करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसी कड़ी में मंगलवार को पत्रकारों के साथ वार्ता का आयोजन किया गया।

वार्ड में व्याप्त असुविधाओं को लेकर पार्षद अंजलि भूमलिया के नेतृत्व में वार्डवासियों ने दिया जिला कलक्टर को ज्ञापन

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद बारां क्षेत्र के वार्ड संख्या 30 की वार्ड पार्षद अंजलि भूमलिया द्वारा सोमवार को वार्ड में व्याप्त असुविधाओं को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला कलक्टर बारां को ज्ञापन सौंपते हुए असुविधाओं के निराकरण करने की मांग की गई। पार्षद पति अक्षय भूमलिया ने बताया कि वार्ड में पिछले दो महिनों से पर्याप्त जलापूर्ति नही हो रही है जबकि वार्ड से 500 मीटर की दूरी पर ही पानी की टंकी स्थित है। जिसका पानी 100 मीटर तक भी नहीं पहुंच पा रहा है। वार्डवासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। मांगरोल दरवाजा क्षेत्र स्थित पानी की टंकी को जलदाय विभाग द्वारा पिछले एक माह से नही भरा जा रहा है। वार्डवासियों की मांग है कि पानी की टंकी को नियमित रूप से भरवाया जाकर वार्ड में नियमित पेयजल की आपूर्ति करवायी जावे। पार्षद द्वारा इसकी शिकायत जलदाय विभाग को की जा चुकी है लेकिन विभाग पानी के टेंकर भिजवाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी होना समझ रहा है। वार्डवासियों को पर्याप्त मात्रा में शुद्व पेयजल उपलब्ध नही हो पा रहा है।

भूमलिया ने बताया कि उनके द्वारा आयुक्त नगर परिषद को दो बार अवगत करवाया जा चुका है कि वार्ड संख्या 30 नयापुरा बस्ती में नालियों के पानी का निकास नही होने के कारण पानी का भराव रहता है और इस कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा कीचड़ भरे होने के कारण बीमारियां फैलने की पूर्ण संभावना बनी हुई है। रवि भूमलिया ने बताया कि धोलाई बस्ती में सीसी सडक निर्माण के दौरान पानी की निकासी के लिए पाईप नही डाला गया है, यदि यहां पर पाईप डाल दिया जावे या 15-20 ट्रोली ग्रेवल डलवा दी जावे तो वार्डवासियों को काफी राहत मिल सकेगी। वहीं वार्ड में सार्वजनिक निर्माण विभाग के ठेकेदार द्वारा 50 फुट नाली निर्माण का कार्य पूर्ण नही करवाए जाने के फलस्वरूप पानी का भराव होने के कारण विवाद की स्थिति बनी रहती है। इसलिए 50 फुट नाली निर्माण का बकाया कार्य पूर्ण करवाया जावे।

वार्डवासियों ने कहा कि यदि प्रशाशन द्वारा समय रहते वार्ड की समस्याओं का समाधान नही किया तो उन्हें मजबूरन आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पडेगा।

एमडी चोपदार 03 जुलाई को दरगाह अजमेर शरीफ में करेंगे जियारत

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चोपदार आगामी 03 जुलाई 2025 (गुरुवार) को ख्वाजा गरीब नवाज़ दरगाह, अजमेर शरीफ में जियारत करेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार अजमेर शरीफ पहुंचेंगे। इस अवसर पर चोपदार जयपुर स्थित निज निवास से सुबह 9:00 बजे रवाना होंगे और दोपहर 2:30 बजे अजमेर पहुंचने का कार्यक्रम तय किया गया है।

यात्रा मार्ग में बगरू, दूदू, किशनगढ़, किशनगढ़ टोल, गेगल टोल, और कचहरी मस्जिद अजमेर में पूर्व निर्धारित स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से भेंट करेंगे। अजमेर शरीफ पहुंचने के बाद, चोपदार ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में हाजिरी लगाएंगे एवं दुआ करेंगे। जियारत के उपरांत सर्किट हॉउस अजमेर में प्रेसवार्ता को भी संबोधित करेंगे, जिसमें वे राज्य में अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की आगामी योजनाओं, एवं संगठनात्मक विषयों पर विचार साझा करेंगे।

भाजपा नेत्री ने किया रेस्टोरेंट का उदघाटन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। वजीरपुर गंगापुर सिटी में मनोरी सैनी के नए रेस्टोरेंट का शुभारभ भाजपा नेत्री मेहनाज पटेल ने फीता काटकर किया। साथ में भाजपा कार्यकर्ता जुम्मा खान, उपसरपंच वजीरपुर, भूरा पार्षद, शाकिर भाई, भाजपा वजीरपुर अल्पसंख्यक मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष, इंजेमाम भाई, आसिम भाई आदि ने मनोरी सैनी को नए प्रतिष्ठान की शुभकामनाएं प्रेषित की। वजीरपुर के लोगों ने मान सम्मान सत्कार का पटेल ने आभार व्यक्त किया।

नंदवाई में अंत्योदय संबल शिविर का आयोजन एसडीएम ने की जन सुनवाई

-अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत सोमवार को बेगूं उपखंड के नंदवाई आईटी सेंटर पर बहुविभागीय सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपखंड अधिकारी (एसडीएम) मनस्वी नरेश ने जन सुनवाई की तथा बीपीएल परिवारों को लाभान्वित किया। इस दौरान पात्र लाभार्थियों को बापी पट्टे भी वितरित किए गए। जन सुनवाई के दौरान नंदवाई ग्राम में नाले पर अतिक्रमण तथा अमल्दा गांव में नाड़ी के पास पत्थर डालकर किए गए अतिक्रमण की शिकायतें प्राप्त हुईं। इस पर एसडीएम ने मौके पर मौजूद राजस्व कर्मियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही बिजली, पानी, सड़क और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए गए। शिविर में मनरेगा श्रमिकों द्वारा पलाश के पत्तों से निर्मित पत्तल-दोने और चटाइयों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान को ग्रामीण स्तर पर मजबूती मिली। शिविर में नायब तहसीलदार विष्णु यादव, खंड विकास अधिकारी सुरेश गिरी गोस्वामी, सहायक बीडीओ खेमराज धाकड़, बीसीएमओ डॉ. कमलेश शर्मा, पंचायत प्रशासक लादुलाल भील, वीडीओ धन सिंह मीणा, पटवारी अरविंद कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। सभी विभागों ने अपनी योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदान की एवं मौके पर समस्याओं का समाधान किया।

यादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक चूरू आए

- माटीकला कामगारों दस्तकारों हेतु जागरुकता शिविर में की शिरकत

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। यादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक सोमवार को चूरू आए तथा जिला मुख्यालय स्थित प्रजापति भवन में आयोजित माटीकला कामगारों / दस्तकारों हेतु जागरूकता शिविर में शिरकत की।

इस अवसर पर बोर्ड अध्यक्ष टाक ने कहा कि प्रदेश सरकार माटीकला कामगारों को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पित है। प्रदेश सरकार मिट्टी कला से जुड़े कामगारों को निःशुल्क विद्त चालित चाक व मिट्टी गूंथने की मशीन उपलब्ध करवा रही है। चूरू में 60 मशीनें स्वीकृत की गई हैं। उन्होंने कहा कि माटीकला सभी कलाओं में अपनी अनूठी पहचान रखती है। कामगारों को सक्षम बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें माटीकला से जुड़े विविध जानकारी साझा की जाएगी। हमारे कामगार माटीकला से जुड़े प्रशिक्षण प्राप्त करें ताकि स्वरोजगार व आय वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकें। इसी के साथ उद्यम हेतु स्वरोजगार ऋण योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि कामगार बच्चों की शिक्षा पूरी होने दें। नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा देकर सही दिशा प्रदान करें ताकि सामाजिक उन्नयन हो। उन्होंने जिले में मशीन वितरण के लाभार्थी माटीकला कामगारों का अभिनंदन किया।

ओम सारस्वत ने कहा कि सरकार ने भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए बोर्ड का संचालन किया है। बोर्ड की जमीनी उपयोगिता है। हम योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ उठाएं तथा और स्वरोजगार हेतु प्रेरित हों। राजस्थान सरकार युवाओं को कौशल विकास से जोड़कर उनके सुदृढ़ भविष्य के लिए संकल्पित है। सरकार ने असंख्य अवसर खोले हैं। परिवेश के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर हम रोजगार की संभावनाओं पर विचार करें। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, स्वरोजगार हेतु ऋण योजनाओं व विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। नायब तहसीलदार महेंद्र गहलोत ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित शिविरों की जानकारी दी। इस अवसर पर कमला प्रजापत व संजय टाक ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान सुरेश प्रजापत, भानसिंह, लिखमीचंद, सुभाष, हनुमान, किशनलाल किरोड़ीवाल, कन्हैयालाल टाक सहित अन्य मौजूद रहे।

अमीर चंद जगदीश कुमार लि. ने 550 करोड़ के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। अमीर चंद जगदीश कुमार (एक्सपोर्ट्स) लिमिटेड, जिसका प्रमुख और रजिस्टर्ड ब्रांड एयरोप्लेन है, ने मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा कर दिया है। यह कंपनी भारत में बासमती चावल और अन्य एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की प्रोसेसर और एक्सपोर्टर है। अपने प्रमोटरों की चार दशकों से ज्यादा की विशेषज्ञता के दम पर, कंपनी भारत में बासमती चावल उद्योग में अपना लोहा मनवा चुकी है। कंपनी का इरादा 5500 मिलियन (यानी 550 करोड़) तक के इक्विटी शेयर जारी करके इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए फंड जुटाने का है। यह पूरा ऑफर फ्रेश इश्यू होगा, मतलब कंपनी नए शेयर जारी करेगी। केयर रिपोर्ट के मुताबिक, रेवेन्यू के मामले में कंपनी अपने कॉम्पिटिटर्स में तीसरे नंबर पर है। यह उन गिनी-चुनी भारतीय ब्रांडेड चावल कंपनियों में से एक है जिसने एफएमसीजी स्टेपल्स में भी कदम रखा है। कंपनी का मानना है कि वे बासमती चावल की वैल्यू चेन में पूरी तरह से इंटीग्रेटेड ऑपरेशन्स वाली कुछ भारतीय कंपनियों में से एक हैं, जिसमें खरीद, स्टोरेज, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और बिक्री जैसे सभी काम शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने एफएमसीजी प्रोडक्ट्स में भी विविधता लाई है, जिसमें आटा, मैदा, सूजी, बेसन, नमक और चीनी जैसे रोजमर्रा के किचन सप्लाई भी शामिल हैं। कंपनी अपने प्रोडक्ट्स को अपने फ्लैगशिप ब्रांड एयरोप्लेन के तहत बेचती है, जिसके 40 से ज्यादा अलग-अलग सब-ब्रांड हैं, जैसे एयरोप्लेन ला-टेस्ट, एयरोप्लेन क्लासिक, अली बाबा, वर्ल्ड कप और जेट। डीआरएचपी फाइल करने की तारीख तक, कंपनी ने कुल 100 ट्रेडमार्क रजिस्टर कराए हैं, जिनमें भारत में 70 और यूरोप, एशिया और अफ्रीका के 26 देशों में 30 ट्रेडमार्क शामिल हैं। साथ ही, भारत में उनके पास 22 कॉपीराइट भी हैं। कंपनी इस आईपीओ से मिलने वाले नेट प्रोसीड्स का इस्तेमाल मुख्य रूप से अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी, जिसकी अनुमानित राशि 5,000 मिलियन (यानी 500 करोड़) है। बची हुई राशि का उपयोग जनरल कॉर्पोरेट पर्पस के लिए किया जाएगा। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) हैं।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी ने 3000 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, 31 दिसंबर, 2024 तक कुल क्षमता के मामले में भारत के शीर्ष 10 सबसे बड़े नवीकरणीय स्वतंत्र बिजली उत्पादकों में से एक है। कुल क्षमता में ऑपरेशनल, निर्माणाधीन कॉन्ट्रैक्टेड और अवार्ड किए गए प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। कंपनी अपनी इन-हाउस ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) टीम और ओ एंड एम (ऑपरेशन और मेंटेनेंस) टीम के जरिए यूटिलिटी-स्केल नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट्स को डेवलप, बिल्ड, ऑपरेट और मेंटेन करती है, और विभिन्न ऑफ-टेकर्स, जिनमें केंद्र और राज्य सरकार समर्थित संस्थाएं शामिल हैं, को बिजली बेचकर रेवेन्यू कमाती है। जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। कंपनी इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिये 30,000 मिलियन (3000 करोड़) तक के इक्विटी शेयर जारी करके फंड जुटाने की योजना बना रही है। यह ऑफर पूरी तरह से नए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू होगा। कंपनी इस आईपीओ से मिलने वाले नेट प्रोसीड्स का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्जों का पूरा या आंशिक रूप से चुकाने के लिए करेगी। यह अनुमानित राशि 10,922.71 मिलियन (1092.27 करोड़) है।

फार्मा क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी डील

जेबी केमिकल्स का अधिग्रहण करेगा टोरंट फार्मास्यूटिकल्स

नई दिल्ली, एजेंसी। टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स ने रविवार को घोषणा की कि वह जे. बी. केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स में प्रमुख हिस्सेदारी खरीदेगा और 19,500 करोड़ रुपये के सौदे से वह भारत की दूसरी सबसे बड़ी दवा कंपनी बन जाएगी। टोरेंट फार्मा, जेबी केमिकल्स कंपनी की करीब 46.39 फीसदी हिस्सेदारी उसके प्रमोटर ग्रुप से खरीदेगा। यह सौदा लगभग 11,917 करोड़ रुपये में होगा। टाऊ इंवेस्टमेंट होल्डिंग्स नाम की यह कंपनी एक अंतरराष्ट्रीय निवेश फर्म से जुड़ी हुई है। इसके अलावा, टोरेंट फार्मा, जेबी केमिकल्स के कुछ कर्मचारियों से भी 2.80 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा। इसके लिए हर शेयर की कीमत 1,600 रुपये तय की गई है। इस सौदे की कुल कीमत लगभग 719 करोड़ रुपये होगी।

इसके बाद, टोरेंट फार्मा लिस्टिंग नियमों के तहत खुले बाजार से 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की खुली पेशकश करेगा। इसके लिए प्रति शेयर कीमत 1,639.18 रुपये तय की गई है, जिसकी कुल कीमत करीब 6,842.8 करोड़ रुपये होगी। खुशी पेशकश में शेयर खरीदने की जो कीमत तय की गई है,वह शुक्रवार को बीएसई पर जेबी केमिकल्स के बंद हुए शेयर की कीमत 1,799.35 रुपये से कम है। यह दवा क्षेत्र (फार्मा सेक्टर) में अब तक की दूसरा सबसे बड़ा सौदा होगा। इससे पहले 2015 में सन फार्मा ने रैनबैक्सी लैब्स को खरीदा था, जो अब तक का सबसे बड़ा सौदा रहा है।

कंपनी ने एक बयान में कहा, टोरंट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड और वैश्विक निवेश फर्म केकेआर ने आज घोषणा की कि टोरंट ने जे बी केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स में नियंत्रक हिस्सेदारी खरीदने के लिए केकेआर के साथ पक्का सौदा कर लिया है। यह सौदा 25,689 करोड़ रुपये के इक्विटी वैल्यूएशन पर हुई है। इसके बाद दोनों कंपनियों का आपस में विलय (मर्जर) किया जाएगा।

शेयर खरीद के बाद जे बी फार्मा का टोरंट में विलय कर दिया जाएगा। यानी जिन निवेशकों के पास जे बी फार्मा के 100 शेयर होंगे, उन्हें बदले में टोरंट के 51 शेयर मिलेंगे। रणनीतिक रूप से यह सौदा टोरंट को जे बी फार्मा के मजबूत क्रॉनिक सेगमेंट ब्रांड्स तक पहुंच देगी और साथ ही नेत्र रोग (ऑफ्थेल्मोलॉजी) जैसे नए उपचार के क्षेत्रों में विस्तार का मौका भी मिलेगा। क्रॉनिक सेगमेंट ब्रांड्स का मतलब वो दवाईयां या उत्पाद हैं, जो दीर्घकालिक बीमारियों के उपचार के लिए बनाए जाते हैं। संचालन में तालमेल बढ़ाने के साथ ही इस सौदे से टोरंट की भारतीय फार्मा बाजार में हिस्सेदारी मजबूत होगी और इसका कारोबार कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग (सीडीएमओ) के क्षेत्र में भी फैलेगा। यह अधिग्रहण टोरंट की इंडियन प्राइवेट मार्केट (आईपीएम) में हिस्सेदारी को मजबूत करेगा और लंबे समय तक विकास की संभावनाओं वाला सीडीएमओ क्षेत्र में भी प्रवेश दिलाएगा।

एनविज़न एनर्जी इंडिया को ईएन 182/5 एमडब्ल्यू टर्बाइन मॉडल के लिए आरएलएमएम के अंतर्गत मंज़ूरी मिली

मुंबई, एजेंसी। एनविजन एनर्जी इंडिया को 28 मई, 2025 को अपने मॉडल संख्या ईएन-182/5.0 50 एच5 टीसी के लिए आरएलएमएम की मंजूरी प्राप्त हुई। नया ईएन-182/5.0 मेगावाट टरबाइन 181 मीटर रोटर व्यास, 105.56 मीटर हब ऊंचाई और ट्यूबलर स्टील टॉवर के साथ 89 मीटर ब्लेड से सुसज्जित है। इसे डीएनवी से आईईसी 61400- 22 :2010 टाइप सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है, जिसकी वैधता 16 फरवरी, 2026 तक है। एनविजन एनर्जी ने अपने आईपीपी ग्राहकों से ईएन-182/5.0 मेगावाट प्लेटफॉर्म के लिए 2 गीगावाट ऑर्डर बुक किया है, जिसकी डिलीवरी 2025 की तीसरी तिमाही से शुरू होगी। तिरुचिरापल्ली स्थित ब्लेड विनिर्माण इकाई तथा पुणे स्थित नैसेल और हब संयंत्र, दोनों ही हमारे ग्राहकों को ये मशीनें उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत में पवन टरबाइन बेचने के लिए किसी भी ओईएम को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) से आरएलएमएम की मंजूरी प्राप्त करना अनिवार्य है। यह नया प्लेटफॉर्म, मौजूदा ईएन 156/3.3 एमडब्ल्यू प्लेटफॉर्म की तुलना में वार्षिक ऊर्जा उत्पादन (एईपी) में 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि करता है, जिससे ग्राहकों को महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होता है। यह प्लेटफॉर्म, जिसमें बड़ा स्वीप्ट क्षेत्र है और टरबाइन परिचालन तापमान को 50 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ाया गया है, एनविजन की तकनीकी क्षमता का प्रमाण है।

एनविजन के नए 5 मेगावाट ऑनशोर प्लेटफ़ॉर्म में धुएं और आग का पता लगाने की उन्नत सुविधाएं शामिल की गई हैं। कंपनी अपने स्थानीयकरण प्रयासों को भी आगे बढ़ा रही है, जिसका उद्देश्य ईएन156/3.3 मेगावाट प्लेटफ़ॉर्म के लिए स्थानीयकरण स्तर को 60 से 80 प्रतिशत तक बढ़ाकर नए प्लेटफ़ॉर्म के लिए मजबूत और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना है। एनविजन एनर्जी इंडिया के प्रबंध निदेशक आरपीवी प्रसाद ने कहा - 5 मेगावाट प्लेटफ़ॉर्म की शुरुआत और आरएलएमएम की मंजूरी भारत में नवाचार और गुणवत्ता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय पवन परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया गया ईएन182-5.0 मेगावाट प्लेटफ़ॉर्म भारतीय बाजार के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। हम पहले से ही उच्च पवन क्षेत्रों में मौजूद हैं, और यह नया प्लेटफ़ॉर्म कम पवन क्षेत्रों में भी बिजली उत्पादन के लक्ष्य से समझौता किए बिना अधिक दक्षता के साथ कार्य करेगा। इससे यह प्लेटफ़ॉर्म व्यावहारिक और लागत प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आएगा।

बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 में 40.72 करोड़ का राजस्व दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी। बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड (बीएसईः 532694, एनएसईः एएसएमएस) एक प्रमुख फिन-टेक समाधान प्रदाता है, जो उन्नत तकनीकी सेवाएं प्रदान कर व्यवसायों को डिजिटल रूप से सशक्त बना रहा है और तेज़ी से विकास की दिशा में अग्रसर है। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही) में कंपनी ने 916.73 लाख का कुल राजस्व अर्जित किया, जो पिछली तिमाही (वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही) के 876.93 लाख की तुलना में अधिक है। वहीं, कर पूर्व लाभ वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में 32.50 लाख के नुकसान से सुधरकर वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 140.24 लाख के लाभ में बदल गया। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के लिए कंपनी की कुल व्यापक आय 114.45 लाख रही। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने कुल राजस्व 4072.86 लाख (वित्त वर्ष 25) दर्ज किया। वित्त वर्ष 24 में 23.45 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में कर पूर्व लाभ 239.75 लाख हो गया। वित्त वर्ष 25 में कंपनी की कुल व्यापक आय 174.52 लाख रही, जो वित्त वर्ष 24 की 109.66 लाख की तुलना में साल दर साल वृद्धि दर्शाती है। पहले, भारत के कीमती धातु बाज़ार में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड ने ऑगमोंट गोल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ पांच वर्षीय साझेदारी की है, जिसका उद्देश्य देशभर में सोने और चांदी की उपलब्धता और वितरण को बेहतर बनाना है। इस साझेदारी के तहत, बार्ट्रोनिक्स अपने वित्तीय समावेशन नेटवर्क और मजबूत वितरण चैनल के माध्यम से ऑगमोंट के बुलियन और आभूषण उत्पादों को ग्राहकों तक पहुँचाएगा। इसके साथ ही, बार्ट्रोनिक्स पोर्टल का उपयोग करके उपभोक्ताओं को ऑगमॉन्ट के प्रीमियम उत्पादों तक सीधी और डिजिटल पहुँच भी मिलेगी।

यह पांच वर्षीय साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए परस्पर लाभकारी अवसर प्रदान करने की संभावना रखती है। बार्ट्रोनिक्स अपने विस्तृत वितरण नेटवर्क के माध्यम से यह सुनिश्चित करेगा कि ऑगमोंट के उत्पाद अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुँच सकें। हालांकि इस सहयोग की वित्तीय शर्तें उजागर नहीं की गई हैं, फिर भी दोनों कंपनियाँ इसके विकास की संभावनाओं को लेकर आशान्वित हैं।

बार्ट्रोनिक्स, जो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है, एक अग्रणी फिनटेक समाधान प्रदाता है। यह कंपनियों को तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाते हुए ऐसे प्रक्रिया-आधारित और परिणाम केंद्रित समाधान प्रदान करता है, जो उनकी उत्पादकता बढ़ाने और बेहतर रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट सुनिश्चित करने में मदद करते हैं।

सहाना सिस्टम लिमिटेड क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स में लाएगा क्रांति

अहमदाबाद, एजेंसी। सहाना सिस्टम लिमिटेड (एनएसइ : सहाना), जो आईटी सेवाओं में एक प्रमुख कंपनी है, ने आज बताया कि उसे थाईलैंड सरकार के वित्तमंत्रालय से उसके वित्तीय ढांचे को मजबूत करने के प्रस्ताव को लेकर औपचारिक मंजूरी मिली है। थाईलैंड सरकार ने सहाना के इस प्रस्ताव की सराहना की है, जिसमें डिजिटल भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाने और सभी लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुँचाने की बात की गई है। यह प्रस्ताव थाईलैंड सरकार की उस नीतिके अनुरूप है जिसमें देश के डिजिटल ढांचे को मजबूत करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों को वित्तीय सेवाओं से जोड़ना शामिल है। वित्तमंत्रालय ने प्रस्तावित चर्चा के लिए सकारात्मक संकेत देते हुए एक उच्चस्तरीय बैठक के आयोजन की संभावना जताई है, जिससेकि संबधित विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रस्ताव का समुचित मूल्यांकन किया जा सके। इस बैठक के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था की योजना बनाई जा रही है और शीघ्र ही इसपर कार्यवाही की जाएगी। आज का वैश्विक भुगतान उद्योग,जिसकी वार्षिक लेनदेन मात्रा 240 ट्रिलियन से अधिक है, नवाचार की राह देख रहा है। पारंपरिक प्रणालियाँ जैसे एसडब्लूएफटी समय, लागतऔर पारदर्शिता जैसे पहलुओं में पिछड़ती जा रही हैं। सहाना का समाधान बैंक ऑफ थाईलैंड और भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से एक सुरक्षित, रियल-टाइम क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजैक्शन प्रणालीप्रस्तुत करता है। सहाना सिस्टम लिमिटेड 2013 में स्थापित किया गया था और यह अहमदाबाद, गुजरात में मुख्यालयित है। यह कंपनीआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिजनेस इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, औरआईटी आउटसोर्सिंग सहित कई अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में सेवाएँ प्रदान करती है।

2026 में भारत का चीनी उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 35 मिलियन टन होने की संभावना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय चीनी उद्योग के लिए अच्छी खबर है! 2026 के चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में भारत का कुल चीनी उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर लगभग 35 मिलियन टन तक पहुँचने की संभावना है। यह अनुमान औसत से ऊपर मानसून के कारण गन्ने की बुवाई और उपज में हुई बढ़ोतरी पर आधारित है खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में।

घरेलू आपूर्ति में सुधार और निर्यात की संभावना- रिपोर्ट के अनुसार चीनी उत्पादन में यह वृद्धि घरेलू आपूर्ति की तंग स्थिति को कम करने में महत्वपूर्ण मदद करेगी। इसके साथ ही यदि सरकार की ओर से उचित नीतिगत समर्थन मिलता है तो चीनी के निर्यात में भी सुधार संभव है। यह देश के चीनी किसानों और मिलों दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

चीनी मिलों के मार्जिन में सुधार,

क्रेडिट प्रोफाइल होगा मजबूत- रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2026 में चीनी मिलों के संचालन मार्जिन में 9-9.5 प्रतिशत की रिकवरी का अनुमान है। इससे चीनी उत्पादक कंपनियों के क्रेडिट प्रोफाइल में सुधार होगा, जो पिछले वित्तीय वर्ष में दबाव का सामना कर रही थीं। पिछले दो सत्रों में जहाँ गन्ने का 'फेयर एंड रेम्युनरेटिव प्राइस' 11 प्रतिशत बढ़ा वहीं एथनॉल की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया था जिससे मिलों पर कुछ दबाव था। अब उम्मीद है कि यह स्थिति सुधरेगी।

एथनॉल उत्पादन में भी होगी वृद्धि

2026 के चीनी सत्र में एथनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन भी बढ़ने की संभावना है। यह 4 मिलियन टन तक पहुँच सकता है जो 2025 में 3.5 मिलियन टन था। इस वृद्धि को उच्च चीनी उत्पादन के साथ-साथ सरकार के महत्वाकांक्षी 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण लक्ष्य से भी समर्थन मिलेगा। सरकार एथनॉल उत्पादन को तेजी से नकद प्रवाह उत्पन्न करने के लिए बढ़ावा दे रही है जो किसानों और चीनी मिलों दोनों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत बन रहा है। यह पर्यावरण के लिहाज से भी एक सकारात्मक कदम है क्योंकि एथनॉल एक स्वच्छ ईंधन है।

कुल मिलाकर आने वाला चीनी सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए एक सकारात्मक तस्वीर पेश कर रहा है

अब करोड़ों की कमाई

पैसे बचाने के लिए खाना तक छोड़ा, पर नहीं फैलाए हाथ...

नई दिल्ली, एजेंसी। नीलम सिंह ने एमबीए करते समय अपना बिजनेस शुरू करने का सपना देखा था। उन्होंने क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) इंडस्ट्री में अपनी किस्मत आजमाने की सोची। एमबीए स्टूडेंट के तौर पर नीलम ने तीन महीने तक एक रेस्टोरेंट में इंटर्नशिप की। इससे उन्हें क्यूएसआर इंडस्ट्री के बारे में जानकारी मिली। फिर उन्होंने लगभग तीन साल तक कॉर्पोरेट जगत में काम किया। 2018 में उन्होंने अपना खुद का रेस्टोरेंट शुरू किया। आगरा में पली-बढ़ी नीलम ने गुरुग्राम में 250 वर्ग फीट की जगह में द बर्गर कंपनी का पहला आउटलेट खोला। आज अक्ष्ट 40 करोड़ रुपये से ज्यादा का टर्नओवर करने वाली 100 आउटलेट की बर्गर चेन बन गई है। यह दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में मौजूद है। आइए, यहां नीलम संहि की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया मन में वचािर

नीलम सिंह मूल रूप से आगरा की रहने वाली हैं। उनके पिता कॉलेज के प्रिंसिपल थे। मां गृहिणी थीं। नीलम अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से एक बड़ा कारोबारी साम्राज्य खड़ा कयिा है। नीलम सिंह का सपना कॉलेज के दिनों में ही आकार लेने लगा था। आगरा जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल में भी छात्रों के लिए अच्छे और किफायती रेस्तरां की कमी उन्हें खटकती थी। महंगे फाइन-डाइनिंग स्पॉट तो थे, पर दोस्तों के साथ हैंगआउट करने के लिए पॉकेट-फ्रेंडली जगहें नदारद थीं। बस, यहीं से उनके मन में अपने रेस्तरां का बीज अंकुरित हुआ। उन्होंने हैदराबाद से मार्केटिंग में एमबीए करते हुए इस सपने को आकार देना शुरू किया। एक तीन दिवसीय कैंपस फेस्टिवल में फूड स्टॉल लगाकर 1 लाख रुपये का मुनाफा कमाना उनके लिए पहला बड़ा सबक बना। इसने उन्हें फूड बिजनेस में अच्छे मार्जिन और अपने कौशल पर भरोसा दिलाया। इसके बाद गुरुग्राम के एक रेस्तरां में तीन महीने की इंटर्नशिप ने उन्हें क्विक सर्विस रेस्टोरेंट इंडस्ट्री की बारीकियों से रूबरू कराया।

पैसे बचाने के लिए जी-तोड़ मेहनत की

नीलम ने 2008 में दिल्ली पब्लिक स्कूल, आगरा से 12वीं कक्षा पास की। 2011 में उन्होंने दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा से बीबीए किया। इसके बाद उन्होंने हैदराबाद से मार्केटिंग में एमबीए (2011-13) किया। एमबीए के बाद नीलम ने लगभग तीन साल कॉर्पोरेट जगत में काम किया। लेकिन, उनका उद्यमी बनने का जुनून बरकरार रहा। 2014 में नितेश धनखड़ से शादी के बाद उन्होंने अपने स्टार्टअप के लिए पैसे बचाने की ठानी। यह दौर उनके लिए आसान नहीं था। 2014 से 2016 के मध्य तक, उन्होंने आइसीआइसीआइ लोम्बार्ड में काम करते हुए अपने खर्चों में भारी कटौती की। यहां तक पैसे बचाने के लएि सहकर्मियों के साथ ऑफिस लंच तक छोड़ दयिा। सिर्फ 20 रुपये में सड़क किनारे के ढाबों से खाना खाया। कई बार उन्हें रोना आता था, क्योंकि एक अच्छे परिवार से होने के बावजूद उन्हें गरीबों की तरह रहना पड़ रहा था और अस्वच्छ खाना खाना पड़ रहा था। अपनी कमाई से बचत करना ही एकमात्र विकल्प था क्योंकि ससुराल वाले भी उनके व्यवसाय के पक्ष में नहीं थे। इस दृढ़ संकल्प और वित्तीय अनुशासन से उन्होंने सिर्फ आठ महीनों में लगभग 5 लाख रुपये बचा लिए।

अब करोड़ों का साम्राज्य

कोरोना लॉकडाउन के दौरान भले ही आउटलेट बंद रहा, पर नीलम ने इस समय का सदुपयोग अपनी विस्तार रणनीति को मजबूत करने में किया। अक्टूबर 2020 में उन्होंने दिल्ली में अपनी पहली फ्रेंचाइजी बेची। यह मॉडल इतना सफल रहा कि आज अक्ष्ट के 100 आउटलेट हैं। इनमें से केवल एक कंपनी के स्वामित्व वाला है और बाकी सभी फ्रेंचाइजी हैं। उनकी कंपनी 9 प्लेट्स हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड अब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा का टर्नओवर कर रही है। दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। 2021 में उनके पति नितेश भी कंपनी में शामिल हो गए, जो अब डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंस का काम देखते हैं। नीलम सिंह की यह कहानी वाकई प्रेरणादायक है, जो दिखाती है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों से जूझते हुए भी कोई अपने सपनों को हकीकत में बदल सकता है।

'हेरा फेरी 3' में परेश रावल का हुआ कमबैक? प्रोड्यूसर ने किया खुलासा

'हेरा फेरी 3' विवाद कैसे सुलझा फिरोज नाडियाडवाला ने बताया साजिद और अहमद खान की अहम भूमिका

'हेरा फेरी' भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक रही है। इसके पहले दोनों पार्ट्स ने दर्शकों के दिल में एक खास जगह बनाई। जब 'हेरा फेरी 3' की घोषणा हुई, तो फैंस में उत्साह बढ़ गया, लेकिन इसके साथ ही विवादों ने भी जन्म ले लिया। फिल्म की स्टारकास्ट, निर्देशन और प्रोडक्शन को लेकर कई तरह की अटकलें लगने लगीं। ऐसे में यह सवाल उठने लगा था कि क्या 'हेरा फेरी 3' बनेगी भी या नहीं। लेकिन हाल ही में निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने इस विवाद को सुलझाने में अहम भूमिका निभाने वालों का नाम बताया और बताया कि कैसे यह मामला शांत हुआ।

एक्टर परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' छोड़ने का ऐलान करने के बाद अब फिल्म को फिर से करने की पुष्टि की है। जिसके बाद कई लोगों के मन में सवाल हैं कि यह मामला कैसे सुधरा है। एक इंटरव्यू में फिल्म प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने बताया कि यह मामला कैसे सुलझा। पिंकविला से बातचीत में फिरोज नाडियाडवाला ने बताया कि साजिद नाडियाडवाला और अहमद खान ने मसला सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, "मेरे भाई साजिद नाडियाडवाला के प्यार, सम्मान और अच्छे मार्गदर्शन से और साथ ही अहमद खान साहब के सहयोग से, 'हेरा फेरी' परिवार फिर एक हो गया है।

" फिरोज ने आगे कहा, "मेरे भाई साजिद ने इस मामले को सुलझाने में कई दिनों तक बहुत ही निजी समय और मेहनत लगाई। हमारा 50 साल पुराना रिश्ता है। अहमद ने भी बहुत मेहनत की। साजिद और अहमद के प्यार और मार्गदर्शन से अब सब कुछ अच्छा और पॉजिटिव है।"

अक्षय कुमार का भी पूरा सपोर्ट मिला

फिरोज ने यह भी बताया कि अक्षय ने कैसे मसला सुलझाने में मदद की। उन्होंने कहा, "हमें अक्षय जी का भी पूरा सपोर्ट मिला। 1996 से हमारा बहुत अच्छा रिश्ता रहा है। पूरे मसले को सुलझाने में वे बहुत ही दयालु, प्यार करने वाले और आत्मीय थे। प्रियदर्शन जी, परेश जी और सुनील जी ने भी पूरा सहयोग किया। अब हम एक अच्छी, खुशी देने वाली फिल्म की उम्मीद कर रहे हैं।" बता दें कि हाल ही में परेश रावल ने हेरा फेरी 3 का विवाद खत्म करते हुए फिल्म में वापसी का कन्फर्मेशन दे दिया है। कुछ समय पहले ही क्रिएटिव डिफरेंस के चलते परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 छोड़ दी थी, जिससे फैंस काफी निराश थे। परेश रावल से हिमांशू मेहता के पॉडकास्ट में हेरा फेरी 3 से जुड़े विवाद पर सवाल किया गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'नहीं कॉन्ट्रोवर्सी कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि जब कोई चीज लोगों को इतनी ज्यादा भाती है तो आपको एक्स्ट्रा केयरफुल रहना होता है। ऑडियंस के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां हैं।

ऑडियंस ने आपको बहुत सराहा है। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उनको दो। इसलिए मेरा मानना था कि सब हाथ में आएं, मेहनत करें और कुछ नहीं।'

बातचीत में जब परेश से पूछा गया कि क्या अब वो फिल्म में नजर आएंगे। इसके जवाब में एक्टर ने कहा है, 'पहले भी आने ही वाली थी, लेकिन हमें खुद को और बेहतर बनाना था। आखिर में सब बहुत क्रिएटिव हैं, चाहे प्रियदर्शन हों, अक्षय हों या सुनील। वो मेरे सालों से दोस्त हैं।'

परेश रावल ने फिल्म छोड़ी तो अक्षय ने भेजा था लीगल नोटिस

परेश रावल के अचानक फिल्म छोड़ने की खबर आने के बाद फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे अक्षय कुमार की टीम ने उन्हें लीगल नोटिस भेजा था। अक्षय की वकील पूजा तिडके ने कहा था कि प्रोडक्शन कंपनी ने फिल्म पर काफी पैसा खर्च किया है, इसलिए इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

विवाद बढ़ने पर परेश रावल ने फिल्म का साइनिंग अमाउंट 11 लाख रुपए 5 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटा दिया था।

परेश रावल के फिल्म छोड़ने से इमोशनल हो गए अक्षय कुमार

फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने मिड डे को दिए इंटरव्यू में कहा- अक्षय कुमार का फिल्म के साथ भावनात्मक लगाव है। जब उनको जब परेश के फिल्म छोड़ने के फैसले के बारे में पता चला तो वे इमोशनल हो गए। वे रोने लगे और मुझसे पूछा- परेश ऐसा क्यों कर रहे हैं? अगर परेश फिल्म नहीं करना चाहते हैं तो इसकी वजह से अक्षय कुमार को पैसों का नुकसान नहीं होना चाहिए। मैं समझता हूं कि अक्षय ने नोटिस भेजने का कदम क्यों उठाया है? परेश को जो भी फैसला लेना था, एक बार हमसे बात करते। हम सब सालों से दोस्त हैं, एक कॉल पर सारी बात बताई और समझी जा सकती थी।

विवाद की जड़: क्यों उलझा मामला?

'हेरा फेरी 3' को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब:

अक्षय कुमार ने फिल्म में अपने रोल को लेकर असमर्थता जताई थी।

कार्तिक आर्यन का नाम फिल्म में आने लगा, जिससे फैंस नाराज हुए।

निर्देशक और प्रोडक्शन को लेकर मतभेद सामने आए।

स्क्रिप्ट को लेकर भी अक्षय कुमार संतुष्ट नहीं थे।

इन सब कारणों से फिल्म की शूटिंग बार-बार टलती गई और सोशल मीडिया पर भी यह चर्चा का विषय बन गया कि 'हेरा फेरी 3' अब शायद नहीं बन पाएगी।

अहम भूमिका निभाने वाले लोग

हाल ही में फिरोज नाडियाडवाला ने बताया कि इस पूरे विवाद को सुलझाने में निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक अहमद खान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अनुसार: साजिद नाडियाडवाला ने अक्षय कुमार और अन्य पक्षों से बातचीत कर सभी की समस्याओं को समझा।

अहमद खान ने स्क्रिप्ट में जरूरी बदलाव और क्रिएटिव सुझाव दिए ताकि अक्षय कुमार और बाकी कलाकार सहज महसूस करें। दोनों ने मिलकर फिरोज नाडियाडवाला को प्रोडक्शन से जुड़े मुद्दे सुलझाने में मदद की।

साउथ की मोस्ट-अवेटेड फिल्म 'थम्मुडु' का ट्रेलर OUT, एक्शन मोड में नितिन

साउथ अभिनेता नितिन की अपकमिंग फिल्म 'थम्मुडु' (Thammudu) का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया है। यह इमोशन भरी एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन श्रीराम वेणु ने किया है। ट्रेलर जबरदस्त एक्शन और इमोशनल मोमेंट्स हैं। यह फिल्म कब सिनेमघरों में दस्तक देगी; चलिए जानते हैं।

बता दें इस साल (2025) की शुरुआत में फिल्म का एक टीजर जारी किया गया था, जिसमें सिर्फ कहानी का थोड़ा सा हिस्सा दिखाया गया था। लेकिन अब रिलीज हुए ट्रेलर से फिल्म की मुख्य कहानी और किरदारों की झलक साफ हो गई है। ट्रेलर को सोशल मीडिया पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

ट्रेलर में क्या है खास?

'थम्मुडु' (Thammudu) का ट्रेलर एक इमोशनल और एक्शन से भरपूर कहानी को दिखाता है। फिल्म की कहानी एक भाई और बहन के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। ट्रेलर से पता चलता है कि एक्टर नितिन का किरदार अपनी बहन से वादा करता है कि वो किसी भी मुश्किल समय में उसके साथ खड़ा रहेगा। फिल्म में नितिन की बहन का किरदार लया (Laya) निभा रही हैं, जिनकी यह बड़े पर्दे पर वापसी है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि बहन को प्रताड़ित किया जा रहा है, और नितिन उसका बचाव करने के लिए हर हद पार करता है।

नितिन के किरदार ने छोटी उम्र में अपनी मां को खो दिया, और बहन ही उसके लिए मां और पिता दोनों बन गई। यही वजह है कि उनका रिश्ता बहुत खास और मजबूत है।फिल्म में खलनायक की झलक भी मिलती है, जो कहता है- "कुछ लोग सृजन में विश्वास करते हैं और कुछ विनाश में। मैं उस सृजन में विश्वास करता हूं जो विनाश से पैदा होता है।"

फिल्म कब होगी रिलीज

फिल्म (Thammudu) 4 जुलाई को रिलीज होगी और इसमें नितिन एक प्रशिक्षित तीरंदाज के रोल में हैं। कहानी अंबरगोडुगु (Ambaragodugu) नाम की एक रहस्यमयी जगह पर आधारित है, जहां जाना और वहां से बाहर आना बेहद मुश्किल है। यह जगह अजीब और डरावने किरदारों से भरी हुई है, और एक बार जो इसमें दाखिल होता है, उसका बाहर आना नामुमकिन जैसा होता है। ट्रेलर और लया की वापसी ने दर्शकों में फिल्म को लेकर काफी उत्साह पैदा कर दिया है। देखने से यह आभास होता है कि नितिन की बहन और उसका छोटा बच्चा इस स्थान पर फंसे हुए हैं और नितिन की सुरक्षा के लिए चिंतित लोग उसे दूर जाने के लिए कहते हैं।

करीना कपूर बोलीं: सैफ पर हमले के बाद महीनों तक नहीं सो पाई

-बच्चों के लिए असली सुपरहीरो बने सैफ

मुंबई। बॉलीवुड के नवाब सैफ अली खान और करीना कपूर खान अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। हाल ही में करीना कपूर ने एक इंटरव्यू में उस दर्दनाक हादसे का जिक्र किया, जब सैफ अली खान पर हमला हुआ था। करीना ने बताया कि उस घटना ने उनकी रातों की नींद छीन ली थी और वह महीनों तक उस सदमे से बाहर नहीं आ सकीं।करीब छह महीने पहले सैफ अली खान पर चाकू से हमला हुआ था। अब पहली बार उनकी पत्नी और एक्ट्रेस करीना कपूर ने इस घटना पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि यह हादसा न सिर्फ उनके लिए, बल्कि उनके दोनों बेटों तैमूर और जेह के लिए भी एक गहरा सदमा था।

करीना ने मोजो स्टोरी के साथ बातचीत में बताया कि इस हादसे ने उनके परिवार को बहुत झकझोर कर रख दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं अब भी इस सोच से परेशान हूं कि कोई हमारे बच्चे के कमरे तक पहुंच गया था। मुंबई में ऐसा होना बहुत ही असामान्य है। यहां ऐसा कभी नहीं सुना था कि किसी के घर में घुसकर उसके पति पर हमला हो जाए। यह सब समझ पाना आज भी मुश्किल है। पहले दो महीने तो मैं ठीक से सो भी नहीं पाती थी। नॉर्मल जीवन में वापस आना आसान नहीं था।' करीना ने कहा, इस घटना के बाद सैफ अपने बच्चों के लिए एक सुपरहीरो बन गए। छोटा बेटा जेह अब भी कहता है कि उसके पापा आयरन मैन और बैटमैन हैं। उसे लगता है कि पापा किसी से भी लड़ सकते हैं।

हालांकि, मेरे लिए यह सब भूल पाना बिल्कुल आसान नहीं था। लेकिन मैं नहीं चाहती थी कि मेरे बच्चे मेरा डर महसूस करें। उनके सामने मुझे मजबूत बनना पड़ा। ये सफर आसान नहीं था, डर और चिंता से निकलकर मां और पत्नी की भूमिका निभाना। लेकिन मुझे ये करना ही था। भगवान का शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं और इस घटना ने हमें एक परिवार के रूप में और भी मजबूत बना दिया है। करीना की मानें तो इस घटना का असर उनके दोनों बेटों पर पड़ा।

उन्होंने कहा, मेरे बच्चों ने अपने पापा को खून में देखा है, जो उन्हें इतनी छोटी उम्र में नहीं देखना चाहिए था। लेकिन मैं चाहती हूं कि ये अनुभव उन्हें एक समझदार और मजबूत इंसान बनाए। पहले वे बहुत सुरक्षित माहौल में थे, लेकिन अब उन्होंने असल जिंदगी का एक कठिन पहलू देख लिया है। वहीं, हमले के दौरान करीना घर पर नहीं थीं, जिस वजह से सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया।

इस पर उन्होंने कहा, यह सब बकवास था। इससे मुझे गुस्सा नहीं, बल्कि बहुत दुख हुआ। क्या हम वास्तव में ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां संवेदनाएं खत्म हो चुकी हैं। बता दें, 15 जनवरी की रात करीब ढाई बजे सैफ अली खान पर चाकू से हमला किया गया था। सैफ के गले और रीढ़ में गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद सैफ ऑटो से लीलावती अस्पताल पहुंचे थे, जहां उनकी सर्जरी हुई और इलाज चला।

हमले की घटना ने झकझोर कर रख दिया

करीना कपूर ने बताया कि सैफ पर यह हमला एक इवेंट के दौरान हुआ था, जहां कुछ असामाजिक तत्वों ने सैफ के साथ बदसलूकी करने की कोशिश की और उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की भी कोशिश की। सैफ ने खुद को और वहां मौजूद लोगों को बचाने के लिए हिम्मत दिखाई, लेकिन यह घटना करीना के दिल और दिमाग पर गहरा असर छोड़ गई।

करीना ने कहा,

"जब मुझे फोन आया कि सैफ पर हमला हुआ है, उस वक्त मैं अपने बच्चों के साथ घर पर थी। मैं कांप गई थी। उस रात मैं रोती रही और पूरी रात सो नहीं पाई। अगले कई हफ्तों तक मैं डर के साये में रही।"

बच्चों के लिए सुपरहीरो बने सैफ

करीना ने बताया कि इस हमले के बाद भी सैफ ने अपने हौसले को टूटने नहीं दिया और घर आकर बच्चों तैमूर और जहांगीर के साथ समय बिताया। सैफ ने बच्चों के सामने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया और हमेशा मुस्कुराते रहे, ताकि उनके बच्चों को कोई डर न लगे।

ट्रोलिंग पर जताया दुख

करीना कपूर ने इस दौरान सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग को लेकर भी दुख जताया। उन्होंने बताया कि घटना के कुछ दिनों बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने सैफ और उनके परिवार पर बेहूदा टिप्पणियां कीं, जिसने उन्हें आहत किया।

बुरे फंसे नसीरुद्दीन शाह, एक्टर को किसने बताया 'हिंदू विरोधी और असंवेदनशील', माफी की उठी मांग

'सरदार जी 3' विवाद: पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' विवादों में घिरी हुई है। कुछ लोगों ने फिल्म की स्टारकास्ट का समर्थन किया तो कुछ लोग इसका पुरजोर आपत्ति जता रहे हैं।पिछले दिनों नसीरुद्दीन शाह ने दिलजीत का समर्थन किया। इसके बाद वह खुद विवादों में घिर गए हैं।

भाजपा नेता राम कदम ने नसीरुद्दीन शाह की आलोचना करते हुए उनके पोस्ट को 'हिंदू विरोधी' और 'असंवेदनशील' बताया है। उनका कहना है कि शाह के बयान से देश के करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने यह भी मांग की है कि नसीरुद्दीन शाह को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

नसीरुद्दीन शाह ने ऐसा क्या कह दिया कि विवाद खड़ा हो गया?

दरअसल दिलजीत की नई फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हैं, जिसके चलते इस फिल्म का विरोध किया जा रहा है। हालांकि, यह फिल्म भारत में नहीं, बल्कि विदेशों और पाकिस्तान में रिलीज की गई है। इस मामले में नसीरुद्दीन शाह ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा था, "मैं दिलजीत के साथ पूरी मजबूती से खड़ा हूं। जुमला पार्टी का 'डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट' बहुत समय से दिलजीत पर हमला करने का मौका ढूंढ रहा था। अब उन्हें लगता है कि आखिरकार वो मौका मिल गया है।"वह आगे कहते हैं कि फिल्म में जिस पाकिस्तानी अभिनेत्री को कास्ट किया गया है, उसका फैसला दिलजीत ने नहीं बल्कि डायरेक्टर ने किया था। लेकिन लोग डायरेक्टर को नहीं जानते, दिलजीत को जानते हैं, इसलिए उन्हीं पर हमला किया जा रहा है।

अभिनेता ने अपनी पोस्ट में लिखा, "फिल्म की कास्टिंग के लिए दिलजीत जिम्मेदार नहीं हैं, निर्देशक हैं। लेकिन कोई नहीं जानता कि वह कौन हैं, जबकि दिलजीत को पूरी दुनिया जानती है। उन्होंने कास्ट के लिए इसलिए हामी भरी क्योंकि उनके दिमाग में कोई जहर नहीं भरा हुआ था। लेकिन कुछ गुंडे भारत और पाकिस्तान के आम लोगों के बीच रिश्ते और मेलजोल खत्म करना चाहते हैं, पर हम ऐसा नहीं होने देंगे। मेरे खुद के कुछ करीबी रिश्तेदार और दोस्त पाकिस्तान में हैं, और मुझे उनसे मिलने या प्यार करने से कोई नहीं रोक सकता। जो लोग कहेंगे 'पाकिस्तान जाओ', उन्हें मेरा जवाब है 'कैलासा जाओ'।"

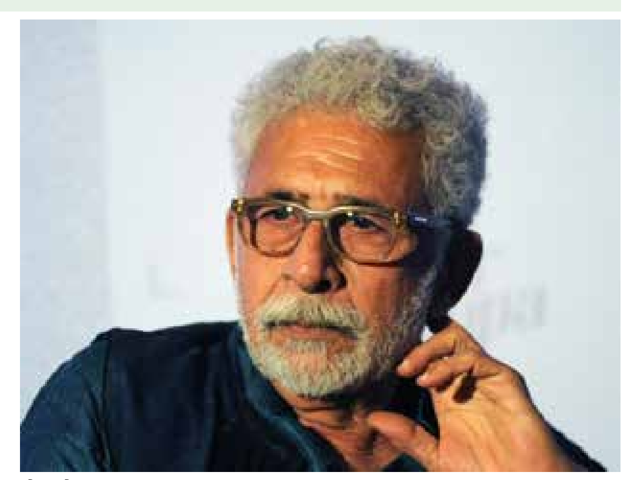

एक्टर को पाकिस्तान से प्यार ज्यादा है!

भाजपा नेता राम कदम ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए शाह की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सवाल उठाया कि,"नसीरुद्दीन शाह कैलासा की तुलना पाकिस्तान से क्यों कर रहे हैं? कैलासा शिवजी का पवित्र स्थान है और सनातन संस्कृति की पहचान है। ऐसे पवित्र स्थान की तुलना दुश्मन देश से करना गलत है।" उन्होंने आगे कहा, "क्या शाह को पहलगाम आतंकी हमला याद नहीं? क्या उन्हें नहीं पता कि पाकिस्तान भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है? क्या उन्हें पाकिस्तान से ज्यादा प्यार है?"राम कदम का आरोप है कि शाह का यह बयान देश के सैनिकों और करोड़ों हिंदुओं का अपमान है। उन्होंने कहा,"शाह ने सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए यह सब कहा है। उन्हें इसके लिए हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए। इसके साथ ही राम कदम ने दिलजीत दोसांझ को भी चेतावनी दी और कहा कि उन्हें उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए जो 'मां भारती' के खिलाफ हैं।

रिया चक्रवर्ती ने क्यों जमानत मिलने के बाद जेल में किया नागिन डांस?

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती के लिए बीते 5 साल काफी मुश्किलों भरे रहे। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में लोगों ने उन्हें दोषी ठहराया। आरोपों के चलते वह 27 दिन जेल में भी रहीं। बाहर उन्हें और उनके परिवार को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, जिसका असर एक्ट्रेस की प्रोफेशनल लाइफ पर पड़ा, उनके हाथ से कई प्रोजेक्ट छूट गए। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को खूब ट्रोल किया गया।

लोगों ने डायन, कातिल और जादूगरनी कहा। चुड़ैल, विषकन्या, ड्रग पैडलर जैसे नामों से भी बुलाया गया। हालांकि, CBI ने 22 मार्च 2025 को अपनी क्लोजर रिपोर्ट में रिया और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी। बीते दिनों को याद करके रिया काफी भावुक हो जाती हैं। एक्ट्रेस कहती हैं कि जब हम उस ट्रेजडी से गुजरे तो हमारे साथ भाई का भी करियर खत्म हो गया। हालांकि, अब रिया अपने अतीत को भुलाकर एक नई जिंदगी की शुरुआत कर चुकी हैं।

ऐसे शुरू हुआ था करियर

रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई, 1992 को बेंगलुरु में हुआ था। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल इंद्रजीत चक्रवर्ती ने 25 वर्षों तक सेना में सेवा की है। उनकी मां हाउस वाइफ और छोटा भाई शॉविक चक्रवर्ती MBA करना चाहता था, लेकिन उसका यह सपना पूरा नहीं हो पाया। रिया ने अपने करियर की शुरुआत 2009 में छोटे पर्दे के एमटीवी रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी तीन दीवा' से की थी। हालांकि इस शो की विनर नहीं बन पाईं, उन्हें सिर्फ रनरअप बनकर ही संतोष करना पड़ा। इसके बाद रिया एमटीवी के कई शोज को होस्ट करती नजर आईं।

यशराज की फिल्म से हुईं रिजेक्ट, साउथ में मिला मौका

रिया चक्रवर्ती ने यशराज की फिल्म 'बैंड बाजा बारात' के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। बाद में इस फिल्म में उनकी जगह अनुष्का शर्मा नजर आईं। बॉलीवुड में किस्मत ने साथ नहीं दिया तो रिया ने साउथ की तरफ रुख कर लिया। साल 2012 में उनकी तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' रिलीज हुई।

बॉलीवुड में लगा फ्लॉप का ठप्पा

साउथ के साथ-साथ रिया बॉलीवुड में अपने लिए अच्छे मौके की तलाश में थीं। उसी दौरान उन्हें बॉलीवुड में 'मेरे डैड की मारुति' में काम करने का अवसर मिला, लेकिन यह फिल्म हिट नहीं रही। इस फिल्म के बाद रिया ने जितनी भी फिल्में कीं, वह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही।

जेल की महिलाओं से बहुत कुछ सीखने को मिला

एक्ट्रेस ने आगे बताया था- मैंने देखा कि उस गंदी दुनिया में भी लोग खुश हैं। वहां रहने वाली महिलाओं से खुश रहने की सीख मिली। जेल में जब एक समोसा भी बांटा जाता है, तो वह उसे देखकर ही खुश हो जाती हैं। उनकी आंखों में अलग ही चमक आ जाती है। हम बाहर दुनियाभर की चीजों के लिए तरसते हैं और वे सब इतने में ही खुश रहती हैं।

बेल मिलने के बाद नागिन डांस किया

मैंने उन सबसे वादा किया था जब मेरी बेल हो जाएगी, तब मैं नागिन डांस करूंगी, लेकिन जब वह समय आया तो सिर्फ मुझे बेल मिली। मेरा भाई तब अंदर ही था। ऐसे में जेलर ने भी कहा कि रहने दो, लेकिन मुझे लगा आज मैं ऐसे चली गई तो मैं उनका दिल तोड़ दूंगी। फिर मैंने उन सब के साथ नागिन डांस किया। मैं वह पल नहीं भूल सकती। सभी महिलाएं मेरे साथ नीचे लेट कर नागिन डांस कर रही थीं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा रिलीज पर मुनमुन दत्ता ने तोड़ी चालें, वीडियो पोस्ट कर कही ये बात

दिलीप जोशी का फेमस शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले कई सालों से लोगों को एंटरटेन कर रहा है. इस शो में फिलहाल एक हॉरर सीक्वेंस चल रहा है, जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है. बता दें कि इस हफ्ते 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो इस हफ्ते बार्क की टीआरपी लिस्ट में नंबर वन पर भी रहा था. वहीं पिछले कुछ समय से शो में 'बबीताजी' का रोल निभा रहीं एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से गायब है. बीते दिनों यह खबरें भी सामने आईं कि एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने पूरे 14 साल बाद इस शो को छोड़ दिया है. अब इन रूमर्स के बीच एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसके साथ ही उन्होंने क्रिप्टिक कैप्शन लिखा है.

मुनमुन दत्ता ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

वायरल हो रहे इस वीडियो में देखने को मिल रहा है कि मुनमुन दत्ता 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के सेट पर शूटिंग कर रही हैं. वीडियो में उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट कलर का आउटफिट पहना है. इस वीडियो में मुनमुन दत्ता गजब के एक्सप्रेशंस देती भी दिख रही हैं. इस वीडियो को पोस्ट करते हुए मुनमुन दत्ता ने कैप्शन में लिखा, 'अफवाहें हमेशा सच नहीं होती.' मुनमुन दत्ता के इस पोस्ट पर लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बता दें कि एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की शुरुआत से ही इस शो से जुड़ी हुई हैं. इस शो में उनका किरदार काफी पसंद भी किया जाता है.

मुनमुन दत्ता के पोस्ट पर लोगों के रिएक्शन

टीवी न्यूज (TV News) के मुताबिक मुनमुन दत्ता के इस पोस्ट पर लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'बबीता जी, TMKOC के सबसे बड़ा फैन होने के रूप में मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है - कृपया शो को कभी मत छोड़िए, 10 साल के लिए भी नहीं... 20 साल के लिए भी नहीं, आप TMKOC की धड़कन हैं. आप हर शो में जो ग्रेस और लाइट लेकर आती हैं, वह बहुत सराहनीय है

तेंदुलकर एंडरसन ट्रॉफी:बर्मिंघम टेस्ट में भारत कर सकता है तीन बड़े बदलाव

सुंदर-कुलदीप को मिलेगा मौका

भारतीय टीम बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 3 बदलाव के साथ उतर सकती है। एजबेस्टन मैदान पर 2 जुलाई से शुरू होने जा रहे सीरीज के दूसरे मैच में टॉप ऑर्डर बल्लेबाज साई सुदर्शन, ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर और रवींद्र जडेजा को बेंच पर बैठाया जा सकता है। इनकी जगह बैटिंग ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जा सकता है। कुलदीप यादव की वापसी भी हो सकती है। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही बहुप्रतीक्षित तेंदुलकर एंडरसन ट्रॉफी में अब बर्मिंघम टेस्ट पर सबकी निगाहें हैं। लॉर्ड्स टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम प्रबंधन आगामी मुकाबले में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव कर सकता है ताकि टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी में संतुलन लाया जा सके। यह बदलाव टीम की स्थिति, पिच और इंग्लैंड की ताकत को ध्यान में रखते हुए लिए जाएंगे।

सूत्रों के अनुसार, बर्मिंघम टेस्ट में **भारत 3 बदलाव कर सकता है:**

शार्दूल ठाकुर की जगह नीतीश राणा या वॉशिंगटन सुंदर

रवींद्र जडेजा की जगह वॉशिंगटन सुंदर

कुलदीप यादव की टीम में वापसी संभव

आइए इन बदलावों की जरूरत और संभावित असर को विस्तार से समझते हैं।

भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने सोमवार को कहा था- 'एजबेस्टन में भारतीय टीम 2 स्पिनर्स को मैदान पर उतारेगी। बुमराह चयन के लिए अवेलेबल हैं, लेकिन उनके खेलने न खेलने पर फैसला अगले 24 घंटो में लिया जाएगा।' फिलहाल, शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ रही है। टीम को पहले टेस्ट में 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए इंडिया को दूसरा टेस्ट जीतना होगा।

बर्मिंघम टेस्ट के लिए भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11

बैटिंग में एक बदलाव संभव, साई किशोर ड्रॉप हो सकते हैं लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम 5 शतक के बावजूद हार गई थी। ऐसे में बैटिंग डिपार्टमेंट में एक बदलाव संभव है। साई सुदर्शन को बाहर बैठाया जा सकता है। उनकी जगह करुण नायर को नंबर-3 पर आजमाया जा सकता है। दोनों पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में साई ने 30 और करुण नायर ने 20 रन स्कोर किए थे।

इन दोनों के अलावा, सभी बैटर्स ने रन बनाए। इसलिए शेष बल्लेबाजी में बदलाव की गुंजाइश नहीं है। ओपनर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल ने एक-एक शतक लगाए। ऋषभ पंत ने तो दोनों पारियों में शतक बनाया।

ऑलराउंडर्स में 2 बदलाव संभव

भारतीय टीम के ऑलराउंड डिपार्टमेंट में दो बदलाव हो सकते हैं। शार्दूल ठाकुर की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा सकता है। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खिलाया जा सकता है। पिछले मैच में भारतीय ऑलराउंडर्स अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे थे। इसी कारण टीम इंडिया को दोनों पारियों में कोलैप्स का सामना करना पड़ा। पहली पारी में भारतीय टीम ने आखिरी 6 विकेट मात्र 41 रन पर गंवा दिए। वहीं, दूसरी पारी में आखिरी 5 बैटर्स 31 रन के अंदर पवेलियन लौट गए।

बुमराह पर फैसला आज, कुलदीप की वापसी

भारत के गेंदबाजी विभाग में कुलदीप यादव को खिलाया जा सकता है। तेज गेंदबाजी में बदलाव होते नहीं दिख रहे हैं। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी लगातार दूसरे मैच में देखने को मिल सकती है। बुमराह की अगुआई वाले भारतीय तेज गेंदबाजों ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन किया था। बुमराह ने खुद पहली पारी में 5 विकेट झटके थे, लेकिन दूसरी पारी में खाली हाथ रहे। 5 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने दोनों पारियों में मिलाकर 212 रन खर्च कर दिए थे, जबकि सिराज 2 विकेट ही ले सके।

इंग्लैंड की प्लेइंग-11 में बदलाव नहीं

प्लेइंग-11 : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कर्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

क्यों किए जा सकते हैं बदलाव?

1.1 शार्दूल ठाकुर की जगह नीतीश राणा या वॉशिंगटन सुंदर

शार्दूल ठाकुर ने लॉर्ड्स में गेंदबाजी में संघर्ष किया और रन भी लुटाए। भारत को एक ऐसे ऑलराउंडर की जरूरत है जो मिडल ऑर्डर में रन बना सके और साथ में 10-15 ओवर सटीक गेंदबाजी कर सके। नीतीश राणा बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और जरूरत पड़ने पर ऑफ स्पिन डाल सकते हैं। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर इंग्लैंड की परिस्थितियों में सफल रह चुके हैं और निचले क्रम में उपयोगी रन बना सकते हैं, जैसा उन्होंने 2021 में किया था।

1.2 रवींद्र जडेजा की जगह वॉशिंगटन सुंदर

जडेजा का हालिया फॉर्म बल्ले और गेंद दोनों से निराशाजनक रहा है। उनकी जगह सुंदर को मौका देने से टीम को बेहतर ऑफ स्पिन विकल्प और बाएं हाथ की बल्लेबाजी का विकल्प मिलेगा, जिससे टीम संयोजन में संतुलन आएगा। सुंदर इंग्लैंड में स्विंग लेती परिस्थितियों में गेंद को पकड़ कर रखने में सक्षम हैं।

1.3 कुलदीप यादव की वापसी

भारत को एक ऐसा गेंदबाज चाहिए जो लंबे स्पेल में विकेट निकाल सके। कुलदीप यादव की वापसी से टीम को लेफ्ट आर्म चाइनामैन विकल्प मिलेगा, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों को अतिरिक्त चुनौती मिलेगी। लॉर्ड्स में पिच सपाट थी, लेकिन बर्मिंघम की पिच में टर्न मिलने की संभावना है, जिसका फायदा कुलदीप उठा सकते हैं।

क्या एजबेस्टन में भारत को पहली जीत दिला पाएंगे शुभमन गिल

-यहां कभी नहीं जीती टीम इंडिया, 2 जुलाई से टेस्ट मुकाबला

भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ रहा है। टीम को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया था। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना होगा। यह मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। इस स्टोरी में 143 साल पुराने इस ऐतिहासिक मैदान पर भारत का रिकॉर्ड जानेंगे। साथ ही यहां भारत के टॉप स्कोरर और टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट भी देखेंगे हैं। सबसे पहले इस मैदान के बारे में जानिए... एजबेस्टन मैदान पर भारत का रिकॉर्ड

58 साल में टेस्ट नहीं जीता, 39 साल पहले ड्रॉ खेला था। भारतीय टीम ने एजबेस्टन मैदान पर पहला मैच 58 साल पहले 1967 में खेला था। 13 जुलाई से 15 जुलाई तक खेले इस गए मुकाबले में मंसूर अली खान पटौदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 132 रनों की हार झेलनी पड़ी थी। तब से अब तक भारतीय टीम ने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले, लेकिन किसी भी मैच में जीत नसीब नहीं हुई। भारतीय टीम ने यहां 39 साल पहले 1986 को एक ड्रॉ मैच खेला था। 3 से 8 जुलाई तक चले इस मुकाबले में मोहिंदर अमरनाथ (79 रन), मोहम्मद अजहर (64 रन) और सुनील गावस्कर (54 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर मैच ड्रॉ कराया था। इस मैच की कप्तानी कपिल देव कर रहे थे।

भारतीय के टॉप प्लेयर्स

कोहली टॉप स्कोरर, चेतन शर्मा को सबसे ज्यादा विकेट

वर्तमान भारतीय टीम में ऋषभ पंत इकलौते खिलाड़ी हैं, जो एजबेस्टन मैदान पर भारत के टॉप प्लेयर्स की सूची में शामिल हैं। यहां के टॉप स्कोरर्स की सूची में विराट कोहली पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 4 पारियों में 57.75 के एवरेज से 231 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। 5 प्लेयर्स की इस सूची में सुनील गावस्कर, ऋषभ पंत, सचिन तेंदुलकर और गुंडप्पा विश्वनाथ जैसे नाम हैं। टॉप 5 विकेट टेकर्स में शामिल कोई भी गेंदबाज इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। यहां चेतन शर्मा ने 10 विकेट झटके हैं। इस सूची में ईएएस प्रसन्ना, आर अश्विन, कपिल देव और ईशांत शर्मा के नाम हैं।

3. रोचक फैक्ट

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ सबसे बड़ा रन चेज किया

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ अपना सबसे बड़ा रन चेज इसी मैदान पर किया था। 3 साल पहले 2022 में खेले गए इस मैच में भारत ने 378 रन का विशाल टारगेट सेट किया था। जिसे इंग्लैंड ने 3 सेशन में हासिल कर लिया था। टीम ने चौथे दिन लंच के बाद दूसरी पारी में खेलना शुरू किया और 5वें दिन लंच से पहले जीत हासिल कर ली थी।

2 पॉइंट्स मैच का हाल...

पंत-जडेजा ने शतकीय पारियां खेलीं

1 से 5 जुलाई तक चले इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने पहली पारी में ऋषभ पंत (146 रन) और रवींद्र जडेजा (104 रन) की शतकीय पारियों के दम पर 416 रन बनाए। इंग्लिश टीम पहली पारी में 284 रन पर ऑलआउट हो गई। यहां भारत को पहली पारी में 132 रन की बढ़त मिली।

रूट-बेयरस्टो की साझेदारी ने छीनी थी जीत

भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 245 रन बनाते हुए इंग्लैंड को 378 रन का मुश्किल टारगेट दिया। इंग्लैंड ने जो रूट (142* रन) और जॉनी बेयरस्टो (114* रन) ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 269 रन की साझेदारी करके भारत से जीत छीन ली। इस मैच की कप्तानी जसप्रीत बुमराह कर रहे थे।

मैच एक्सपीरियंस

8 प्लेयर्स के पास यहां खेलने का अनुभव, 11 खिलाड़ी नए

भारतीय टीम के 8 प्लेयर्स के पास यहां खेलने का अनुभव है। इनमें कप्तान शुभमन गिल, ऋषभ पंत, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा औरर शार्दूल ठाकुर के नाम हैं। 11 प्लेयर्स ऐसे हैं, जिन्होंने इस मैदान पर मैच नहीं खेला है। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। इस मैदान का इतिहास भारतीय टीम के लिए अच्छा नहीं रहा है। अब तक यहां टीम इंडिया ने 7 टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन एक भी मैच जीत नहीं सकी है। ऐसे में सबकी नजरें शुभमन गिल पर होंगी, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टीम को एजबेस्टन में पहली जीत दिलाने की उम्मीद जगाते हैं।

एजबेस्टन में भारत का रिकॉर्ड

भारत ने एजबेस्टन में 7 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से 6 में हार और 1 मैच ड्रॉ रहा है। आखिरी बार 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में यहां खेला गया टेस्ट भारत 31 रन से हार गया था। कोहली ने उस मैच में पहली पारी में 149 रन की शानदार पारी खेली थी, लेकिन टीम जीत नहीं सकी। अब गिल पर वही जिम्मेदारी होगी, जो उस समय कोहली ने निभाई थी।

गिल की मौजूदा फॉर्म

शुभमन गिल ने पिछले कुछ महीनों में टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन बल्लेबाजी की है। ऑस्ट्रेलिया में गाबा टेस्ट में ऐतिहासिक जीत में गिल की 91 रनों की पारी को कोई नहीं भूल सकता। हाल ही में वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ भी गिल ने उपयोगी पारियां खेली हैं। इंग्लैंड में गिल की तकनीक और धैर्य उनकी सबसे बड़ी ताकत होगी। इंग्लैंड की स्विंग और सीम मूवमेंट वाली पिचों पर गिल का फ्रंट फुट पर खेलना और आक्रामक शॉट चयन टीम इंडिया को शुरुआती मजबूती दिला सकता है।

धोनी ने 'कैप्टन कूल' नाम को ट्रेडमार्क कराने की प्रक्रिया शुरू की

-सामने आई कानूनी चुनौती

पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने 'कैप्टन कूल' को ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन किया है। अगर उन्हें इस शब्द के ट्रेडमार्क राइट्स मिल जाते हैं तो कैप्टन कूल शब्द का प्रयोग कोई व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी। धोनी ने 5 जून को ट्रेडमार्क रजिस्ट्री पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा किया। वे कोचिंग और ट्रेनिंग सेंटर्स के लिए 'कैप्टन कूल' का उपयोग करने के लिए विशेष अधिकार चाहते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान के आवेदन को शुरुआत में ट्रेड मार्क्स अधिनियम की धारा 11(1) के तहत बाधा का सामना करना पड़ा क्योंकि इस नाम से पहले ही एक ट्रेडमार्क रजिस्ट र्ड था। ऐसे में नए ट्रेड मार्क से लोग भ्रमित हो सकते थे। धोनी के वकीलों ने तर्क दिया कि 'कैप्टन कूल' नाम धोनी से पिछले कई सालों से जुड़ा हुआ है। इसे जनता, मीडिया और प्रशंसकों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है। धोनी को फैंस ने दिया कैप्टन कूल का टैग धोनी को कैप्टन कूल का टैग उनके फैंस और मीडिया ने दिया था। वे अपनी कप्तानी के दौरान मैदान पर काफी शांत नजर आते थे। मैच की परिस्थिति चाहे जितनी कठिन हो धोनी ठंडे दिमाग से ही फैसले लेते थे। यही कारण था कि उन्हें कैप्टरन कूल के नाम से जाना जाने लगा।

वे 5 फैसले, जिनसे धोनी कैप्टन कूल कहलाए

2007: जोगिंदर को आखिरी ओवर दिया, 2007 T20 वर्ल्ड कप फाइनल पाकिस्तान के खिलाफ खेला जा रहा था। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 13 रन चाहिए थे। ऐसे में धोनी ने कम अनुभव वाले गेंदबाज जोगिंदर शर्मा को आखिरी ओवर दिया और उन्होंने मैच जिता दिया।

2011 वर्ल्डकप फाइनल में बैटिंग ऑर्डर बदला

श्रीलंका से वर्ल्ड कप फाइनल में जब भारत मुश्किल में था, तब धोनी ने फॉर्म में चल रहे युवराज सिंह से पहले खुद बैटिंग करने का फैसला लिया। उन्होंने नाबाद 91 रन बनाकर भारत को 28 साल बाद विश्व कप जिताया।

2012: टेस्ट सीरीज 4-0 से हारे, मीडिया की तीखे सवालों पर शांत रहे

2012 भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत को 4-0 से हार मिली थी, लेकिन धोनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में न तो टीम को कोसा, न ही नाराजगी दिखाई। उन्होंने जर्नलिस्ट के सवाल पर शांत होकर कहा कि सीखना जरूरी है।

2016 बांग्लादेश के खिलाफ रनआउट से जिताया

2016 T20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर 2 रन चाहिए थे। धोनी ने ग्लव्स उतारकर खुद रनआउट के लिए दौड़ लगाई और मैच जिता दिया।

2018 वापसी के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को चैंपियन बनाया

2 साल के बैन के बाद CSK की टीम लौटी, सभी ने टीम को 'डैड्स आर्मी' कहा। लेकिन धोनी ने बेहद ठंडे दिमाग और अनुभव के साथ टीम को संभाला।

20 दिन पहले ICC ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया

20 दिन पहले 10 जून को एमएस धोनी को ICC ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया था। वे यह सम्मान पाने वाले 11वें भारतीय खिलाड़ी बने थे। धोनी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था- 'ICC हॉल ऑफ फेम में नाम आना एक बहुत बड़ा सम्मान है। दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम देखना मेरे लिए गर्व की बात है। यह पल मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।'

तीन ICC ट्रॉफी जिताने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान

धोनी अब तक के एकमात्र भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने भारत को तीन ICC ट्रॉफी – 2007 T20 वर्ल्ड कप, 2011 ODI वर्ल्ड कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जिताई हैं। उनके नेतृत्व में भारत टेस्ट में भी नंबर-1 टीम बना। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप उनके संन्यास लेने के बाद शुरू हुई। उन्होंने 2014 में टेस्ट से और 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन IPL में अब भी खेल रहे हैं।

धोनी ने 'कैप्टन कूल' नाम को ट्रेडमार्क कराने की प्रक्रिया शुरू की

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धोनी ने 'कैप्टन कूल' नाम को ट्रेडमार्क कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसका मकसद इस नाम को उनकी ब्रांड वैल्यू से जोड़ना और इसे कानूनी सुरक्षा देना है। धोनी के वकीलों ने कहा कि यह नाम लंबे समय से महेंद्र सिंह धोनी की पहचान बन चुका है और फैंस भी इसी नाम से उन्हें पुकारते हैं। धोनी कई प्रोडक्ट्स और ब्रांड्स का प्रमोशन कर चुके हैं और भविष्य में 'कैप्टन कूल' नाम से जुड़ी कपड़ों की रेंज, स्पोर्ट्स प्रोडक्ट्स और डिजिटल सामग्री बाजार में उतारने की योजना हो सकती है।

पहले से रजिस्टर्ड है एक ट्रेडमार्क हालांकि धोनी को इस नाम को लेकर एक कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 'कैप्टन कूल' नाम पहले से ही ट्रेडमार्क के रूप में किसी अन्य व्यक्ति या संस्था के नाम पर रजिस्टर्ड है। ऐसे में धोनी की टीम को यह साबित करना होगा कि यह नाम धोनी की ब्रांड पहचान से सालों से जुड़ा है और धोनी की पॉपुलैरिटी के कारण इस नाम की एक अलग पहचान बन चुकी है। धोनी के कानूनी सलाहकारों का कहना है कि 'कैप्टन कूल' नाम से धोनी की पहचान काफी पुरानी है। उन्होंने बताया कि 2007 से ही मीडिया, ब्रॉडकास्टर्स और फैंस उन्हें इसी नाम से बुलाते रहे हैं, जो उनके सार्वजनिक व्यक्तित्व का हिस्सा बन गया है।

यूथ सीरीज में इंग्लैंड की वापसी, भारत को 1 विकेट से हराया

-सीरीज निर्णायक मुकाबले पर पहुंची

इंग्लैंड ने भारत की अंडर-19 टीम को नॉर्थेम्पटन में खेले गए दूसरे वनडे मैच में एक विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। भारत ने पहला मुकाबला जीता था। सोमवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 49 ओवर में 10 विकेट पर 290 रन बनाए। विहान मलहोत्रा ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 49.3 ओवर में नौ विकेट खोकर 291 रन बनाए कर मैच को जीत लिया। इंग्लैंड अंडर-19 और भारत अंडर-19 के बीच खेली जा रही रोमांचक यूथ सीरीज का दूसरा मैच एक यादगार मुकाबले के तौर पर दर्ज हो गया। एक वक्त हार की कगार पर खड़ी इंग्लैंड टीम ने अपने कप्तान थॉमस रियू की कप्तानी पारी की बदौलत भारत को एक विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है।

भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे बिना खाते खोले ही पवेलियन लौटे

भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे पहली गेंद पर ही आउट हो गए। एलेक्स फ्रेंच ने बोल्ड किया। खराब शुरुआत के बावजूद वैभव सूर्यवंशी और विहान मल्होत्रा ने पारी को संभाला। भारत का दूसरा विकेट 69 रन पर गिरा। सूर्यवंशी 35 गेंदों में 45 रन बना कर आउट हो गए। वहीं 119 के स्कोर पर विहान भी आउट हो गए। उन्होंने 68 गेंदों का सामना कर 49 रन बनाए। इसके बाद मौल्यराजसिन्ह चावड़ा और अभिज्ञान कुंडु ने पारी को संभालने की कोशिश की। चावड़ा को एलेक्स ग्रीन ने बोल्ड किया। वह 43 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए जबकि कुंडु 41 गेंदो में चार चौके की मदद से 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इंग्लैंड के खिलाफ राहुल कुमार और कनिष्क चौहान ने भी 290 तक स्कोर पहुंचाने में मदद की। राहुल ने 47 गेंदों पर 47 रन और कनिष्क चौहान ने 40 गेंदों पर 45 रन बनाए। वहीं, आरएस अम्ब्रीश ने चार, मोहम्मद एनान ने छह, हेनिल पटेल ने सात और युद्धजीत गुहा ने एक* रन बनाया। इंग्लैंड की तरफ से एलेक्स फ्रेंच ने सर्वाधिक चार विकेट लिए जबकि जैक होम और एलेक्स ग्रीन को तीन-तीन विकेट मिले।

कप्तान थॉमस रियू ने 131 रन की पारी खेल इंग्लैंड को जीत दिलाई 291 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड के कप्तान थॉमस रियू ने 131 रन की पारी खेल कर टीम को दिलाई। उन्होंने 89 की गेंद पर 131 रन बनाएं। इससे पहले इंग्लैंड का 3 विकेट 47 रन पर गिर गया था। जिसके बाद थॉमस रियू और रॉकी फ्लिंटॉफ ने पारी को संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 128 गेंदों पर 123 रन की पार्टनरशिप हुई। रॉकी फ्लिंटॉफ ने 68 गेंदों पर 39 रन बनाए। उनके अलावा जोसफ मोर्स ने 13, राल्फी अलबर्ट ने 18, जैक होम ने तीन और एलेक्स ग्रीन ने 12 रन बनाए। भारत की तरफ से आरएस अम्ब्रीश ने चार विकेट लिए जबकि हेनिल पटेल और युद्धजीत गुहा को दो-दो सफलताएं मिलीं। इसके अलावा कनिष्क चौहान ने एक विकेट अपने नाम किया।

सीरीज का आखिरी मुकाबला अब होगा निर्णायक

अब सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई है और तीसरा मैच निर्णायक होगा। भारत अंडर-19 टीम ने पहला मैच 5 विकेट से जीता था, लेकिन दूसरा मैच गंवाकर उन्होंने सीरीज को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया है। अब दोनों टीमें अगले हफ्ते होने वाले तीसरे और अंतिम मुकाबले के लिए तैयारियों में जुट गई हैं।

कप्तान थॉमस रियू को मिला 'मैन ऑफ द मैच'

कप्तान थॉमस रियू को उनकी शानदार और मैच जिताऊ पारी के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। मैच के बाद उन्होंने कहा, "यह आसान नहीं था। भारत की गेंदबाज़ी काफ़ी चुनौतीपूर्ण रही। मैंने सिर्फ अपने शॉट्स पर भरोसा रखा और साझेदारियों को लंबे समय तक खींचने की कोशिश की। आखिरी ओवर तक संयम बनाए रखना ही हमारी जीत की कुंजी बना।"

भारतीय कप्तान ने जताया निराशा के साथ भरोसा

वहीं भारतीय कप्तान आर्यन चौधरी ने हार पर निराशा जताई लेकिन अगले मैच के लिए टीम का मनोबल बनाए रखा। उन्होंने कहा, "हमने अच्छा स्कोर खड़ा किया था, गेंदबाजों ने भी पूरी कोशिश की। लेकिन रियू की पारी ने मैच हमसे छीन लिया। हमारी टीम में काफी टैलेंट है, अगला मैच हम पूरी ताक़त से खेलेंगे।"

युवाओं को मिला बड़ा मंच

इस सीरीज में दोनों टीमों के युवा खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने का मौका मिल रहा है। क्रिकेट जानकारों का मानना है कि इस सीरीज से दोनों देशों को भविष्य के लिए अच्छे खिलाड़ी मिल सकते हैं। खासकर कप्तान थॉमस रियू की यह पारी इंग्लैंड के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं भारतीय युवा बल्लेबाज़ और गेंदबाज़ों ने भी अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है।

अब सबकी नज़र सीरीज के फाइनल पर

अब सीरीज का तीसरा और आख़िरी मैच निर्णायक होगा। दोनों टीमें बराबरी पर हैं और दोनों को जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि यह मुकाबला भी उतना ही रोमांचक होगा जितना दूसरा मैच रहा।

फायर सेफ्टी उल्लंघन पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की बिजली कटी

-KSCA के पास नहीं था जरूरी सुरक्षा सर्टिफिकेट

बेंगलुरु के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम की सोमवार को बिजली काट दी गई। यह कदम बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड (BESCOM) ने इसलिए उठाया क्योंकि स्टेडियम को चलाने वाली कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) ने फायर सेफ्टी के जरूरी नियमों का पालन नहीं किया था। स्टेडियम में बड़े मैच और कार्यक्रम होते हैं, लेकिन इसके बावजूद स्टेडियम प्रबंधन ने अग्नि सुरक्षा की मंजूरी नहीं ली थी। इसे देखते हुए कर्नाटक अग्निशमन विभाग के प्रमुख ने KSCA की बिजली काटने की सिफारिश की, जिस पर BESCOM के अधिकारी ने तुरंत कार्रवाई की। ऐसे में जब तक स्टेडियम को जरूरी सुरक्षा सर्टिफिकेट नहीं मिल जाता, तब तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। बेंगलुरु के प्रसिद्ध एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की बिजली बेंगलुरु सिटी फायर डिपार्टमेंट और बेंगलुरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (BES-COM) ने काट दी है। कारण यह बताया गया कि कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) के पास स्टेडियम का फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट नहीं है और पिछले कई महीनों से उन्हें नोटिस देने के बाद भी सुरक्षा उपाय पूरे नहीं किए गए। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की जीत के जश्न में भगदड़ और आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे। इस हादसे के बाद स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं।

बेंगलुरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी को फायर डिपार्टमेंट से भेजा गया था लेटर

10 जून को फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज के महानिदेशक ने BESCOM को एक पत्र लिखा था, जिसमें बताया गया था कि कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) को कई बार स्टेडियम में जरूरी फायर सेफ्टी उपाय करने को कहा गया था। KSCA ने इस मामले में एक हफ्ते का समय मांगा था, लेकिन समय सीमा के बाद भी जरूरी सुधार नहीं किए। IPL के दौरान भी स्टेडियम में फायर सेफ्टी गाइडलाइंस का पालन नहीं किया गया

इस साल हुए IPL मुकाबले स्टेडियम में बिना उचित फायर सेफ्टी गाइडलाइंस के आयोजित किए गए थे। हजारों दर्शकों की मौजूदगी के बावजूद फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं किया गया था। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया, IPL चैंपियन RCB के विक्ट्री सेलिब्रेशन के दिन हुई भगदड़ में भी अग्नि सुरक्षा नियमों का ध्यान नहीं रखा गया था। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

4 जून को RCB की विक्ट्री परेड के दौरान मची थी भगदड़

4 जून को बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर शाम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के IPL 2025 खिताब जीतने की खुशी में विक्ट्री परेड निकाली गई। स्टेडियम में घुसने को कोशिश में कई लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश की। एंट्री गेट पर हजारों की भीड़ मौजूद थी। सड़क पर लाखों लोग जमा थे। इस दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हुए थे।

KSCA का पक्ष: जल्द पूरा करेंगे सेफ्टी उपाय

KSCA ने एक बयान जारी कर कहा कि फायर सेफ्टी नियमों का पालन करना उनकी प्राथमिकता है। पिछले कुछ महीनों में कुछ सुधार कार्य किए गए थे, लेकिन कुछ दस्तावेज और उपकरण इंस्टॉलेशन बाकी रह गए थे। अब वह फायर डिपार्टमेंट से चर्चा कर जल्द सभी आवश्यक उपाय पूरे कर सर्टिफिकेट लेने की प्रक्रिया को पूरा करेंगे

बिगड़े बोल : पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को वैध संघर्ष बताया

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को एक वैध संघर्ष बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। फील्ड मार्शल मुनीर ने भारत को भविष्य में किसी भी हमले की स्थिति में करारा जवाब देने की चेतावनी भी दी। मुनीर ने शनिवार को कराची स्थित पाकिस्तान नौसेना अकादमी में पासिंग आउट समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में स्वतंत्रता के लिए एक वैध और कानूनी संघर्ष है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है। उन्होंने दावा किया, जिन लोगों ने कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को दबाने और समाधान के बजाय संघर्ष को खत्म करने की कोशिश की, उन्होंने अपने कृत्यों के माध्यम से इस आंदोलन को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित समाधान का प्रबल समर्थक है। अतीत में पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कश्मीर को पाकिस्तान की गले की नस बताया था।

भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख हमेशा उसके अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास बढ़ गई। मुनीर ने दावा किया कि पाकिस्तान ने दो बार भारतीय सैन्य हमले का करारा जवाब देने के बाद खुद को विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले के रूप में साबित कर दिखाया। वह स्पष्ट रूप से पुलवामा आतंकी हमले के बाद 2019 के बालाकोट हमले और हाल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया, गंभीर उकसावे के बावजूद पाकिस्तान ने संयम और परिपक्वता के साथ काम किया तथा क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जिसके कारण पाकिस्तान ने विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले की भूमिका निभाई है। मुनीर ने कहा, जैसा कि हम लगातार, लेकिन निश्चित रूप से, अपनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण कर रहे हैं, वैसे में रणनीतिक दंड से मुक्ति या गलत अनुमान के भ्रम में पाकिस्तान की कथित कमजोरी का फायदा उठाने वाले किसी भी दुश्मन को त्वरित और बहुत ही करारा जवाब मिलेगा। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान अपने विरोधियों के प्रयासों से विचलित हुए बिना प्रगति, विकास और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने हर तरह के आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता भी दोहराई और इस लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का संकल्प लिया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग आतंकवादी हमलों में पांच लोगों की मौत

पेशावर, भाषा। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवाद की दो अलग-अलग घटनाओं में दो सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय शांति समिति के तीन सदस्यों सहित कम से कम पांच लोग मारे गए। पुलिस ने रविवार को पुष्टि की है कि दोनों आतंकवादी घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत लक्की मरवात जिले में हुईं। पुलिस के अनुसार, पहली घटना में, रविवार सुबह एक गश्ती वाहन को निशाना बनाकर सड़क के किनारे किए गए बम विस्फोट में दो सैनिकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने बताया कि शाहब खेल क्षेत्र में एक अन्य घटना में अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान स्थानीय शांति समिति के प्रमुख दस्तगीर, सलीम खान और सलाहुद्दीन के रूप में की है। सुरक्षा बलों ने घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी है और जांच जारी है। अभी तक किसी भी समूह ने हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है।

सुरक्षा खतरों के मद्देनजर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगने वाली प्रमुख सीमा को बंद किया

पेशावर, भाषा। पाकिस्तान ने सुरक्षा खतरों के कारण अफगानिस्तान से लगने वाली एक प्रमुख सीमा को अस्थाई रूप से अगले आदेश तक बंद कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने रविवार को बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले और अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत में झड़पों के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और सीमा (गुलाम खान) को अनिर्दिष्ट अवधि के लिए बंद कर दिया गया है। उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए तथा तीन अन्य घायल हो गए थे। अंतरिम अफगान सरकार के सीमा बलों के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने रविवार को सीमा बंद किए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस कदम के लिए कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

खैबर पख्तूनख्वा में दो संदिग्ध आतंकवादी मारे गए

पेशावर, भाषा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस ने एक बड़े आतंकवादी हमले की कोशिश को नाकाम करते हुए दो संदिग्ध आतंकवादियों को ढेर कर दिया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने पेशावर शहर के उर्मर पयान इलाके में रात भर खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए अभियान के दौरान संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। यह इलाका कभी सबसे बड़े अफगान शरणार्थी शिविरों में से एक था।

नए संगठन का उद्देश्य व्यापार और संपर्क बढ़ाकर क्षेत्रीय संभावना तलाशना

दक्षेस की जगह नए क्षेत्रीय समूह की स्थापना पर काम कर रहे पाकिस्तान, चीन : खबर

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान और चीन एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना के प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं, जो लगभग निष्क्रिय पड़े दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) की जगह ले सकता है। सोमवार को एक खबर में यह दावा किया गया। इस घटनाक्रम से अवगत राजनयिक सूत्रों के हवाले से एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने लिखा कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बातचीत अब आगे के चरण में है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात से आश्वस्त हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है। सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय संगठन दक्षेस की जगह ले सकता है। दक्षेस में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक इन कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य अन्य दक्षिण एशियाई देशों को, जो दक्षेस (सार्क) का हिस्सा थे, नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना है।

हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया और कहा कि बैठक राजनीतिक नहीं थी। विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने कहा, हम कोई गठबंधन नहीं बना रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत को नए प्रस्तावित मंच में आमंत्रित किया जाएगा, जबकि श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे देश भी इसका हिस्सा हो सकते हैं। अखबार ने कहा कि नए संगठन का मुख्य उद्देश्य व्यापार और संपर्क बढ़ाकर अधिक क्षेत्रीय जुड़ाव की संभावना तलाशना है। इसमें कहा गया है कि यदि प्रस्ताव को मूर्त रूप दिया जाता है, तो यह दक्षेस की जगह लेगा, जिसे भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण लंबे समय से निलंबित कर दिया गया है। साल 2014 में काठमांडू में हुए शिखर सम्मेलन के बाद से दक्षेस का कोई द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है। साल 2016 में दक्षेस का शिखर सम्मेलन इस्लामाबाद में होना था। लेकिन उस साल 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर के उरी में भारतीय सेना के शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने मौजूदा परिस्थितियों के कारण शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता व्यक्त की। बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान द्वारा भी इस्लामाबाद बैठक में भाग लेने से इनकार करने के बाद शिखर सम्मेलन रद्द कर दिया गया था।

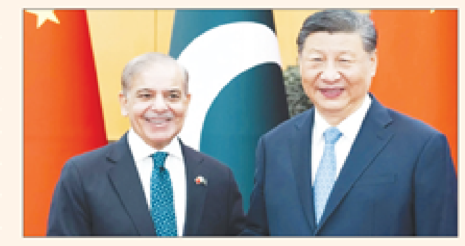

प्रौद्योगिकी कर लगाने की योजना टाली, अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता बहाल: मार्क कार्नी

» टोरंटो, भाषा।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनके अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर कर लगाने की योजना को रद्द करने के बाद अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता बहाल हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि वह कनाडा के उनकी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर कर जारी रखने तक उसके साथ व्यापार वार्ता को निलंबित कर रहे हैं। इसे उन्होंने अपने देश पर प्रत्यक्ष और स्पष्ट हमला करार दिया था। कनाडा सरकार ने कहा कि व्यापार समझौते की उम्मीद के साथ कनाडा डिजिटल सेवा कर को रद्द कर रहा है। यह कर सोमवार से लागू होने वाला था। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, कार्नी और ट्रंप ने वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है। कार्नी ने एक बयान में कहा, यह घोषणा निर्धारित 21 जुलाई 2025 की समयसीमा के तहत इस वार्ता का शुरू करने में मदद करेगी।

यह समय सीमा इस महीने जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में तय की गई थी। कार्नी ने मई में अमेरिका में राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इसके बाद ट्रंप जी7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा आए। इस दौरान कार्नी ने कहा था कि कनाडा और अमेरिका ने व्यापार वार्ता के लिए 30 दिन की समय सीमा तय की है। कनाडा और अमेरिका, अमेरिका के पड़ोसी देश से आने वाले सामानों पर ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी शुल्कों में ढील देने पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप ने इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है। साथ ही उन्होंने मोटर वाहन और उसके घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की है। अधिकतर देशों से आयात पर 10 प्रतिशत का मूल शुल्क भी लगाया गया है। हालांकि अन्य कर बढ़ोतरी को अमेरिका ने 90 दिन के लिए टाल दिया था। यह अवधि नौ जुलाई को खत्म हो रही है जिसके बाद अमेरिका शुल्क में बढ़ोतरी कर सकता है।

अमेरिका में बंदूकधारी ने पर्वतीय इलाके में आग लगाई घात लगाकर हमला कर दो दमकलकर्मियों की जान ली

बोइस (अमेरिका), भाषा। अमेरिका में उत्तरी इडाहो के एक पर्वतीय इलाके में रविवार को एक बंदूकधारी ने पहले जंगल में आग लगा दी, फिर वहां पहुंचे दमकलकर्मियों पर घातकर हमला कर दिया जिसमें दो कर्मचारियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बाद में बंदूकधारी भी मृत पाया गया। हालांकि अधिकारियों ने उसकी पहचान जारी नहीं की है। इडाहो के गवर्नर ब्रैड लिटिल ने इसे जघन्य हमला बताया। कूटेनई काउंटी के शेरिफ बॉब नॉरिस ने रविवार रात संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारा अनुमान है कि संदिग्ध ने ही आग लगाई और यह एक साजिश के तहत किया गया हमला था। इसके कारण दमकलकर्मियों को संभलने का कोई मौका ही नहीं मिला। शेरिफ कार्यालय ने बताया कि दोपहर करीब डेढ़ बजे (स्थानीय समयानुसार) कोयूर डी एलेन के ठीक उत्तर में कैनफील्ड माउंटेन पर आग लगने की सूचना के बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे और लगभग आधे घंटे बाद गोलियों की आवाजें सुनाई दीं। जांचकर्ताओं का मानना है कि इस वारदात के पीछे संदिग्ध अकेले ही था। कूटेनई हेल्थ अस्पताल की प्रवक्ता किम एंडरसन ने बताया कि तीन लोगों को अस्पताल लाया गया था जिनमें से दो मृत अवस्था में थे, जबकि तीसरे का उपचार किया जा रहा है। शेरिफ नॉरिस ने कहा कि घायल दमकलकर्मी की सर्जरी के बाद हालत स्थिर है। गवर्नर ब्रैड लिटिल ने कहा कि कई अग्निशमन कर्मियों पर हमला किया गया। लिटिल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यह हमारे बहादुर दमकलकर्मियों पर जघन्य हमला है। मैं सभी इडाहो निवासियों से अनुरोध करता हूं कि वे उनके और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करें।

न्यूज ब्रीफ

गरीबी से निपटने के लिए धन जुटाने की खातिर स्पेन में राष्ट्रों की बैठक

» बार्सिलोना (स्पेन), भाषा।

अमीर और गरीब देशों के बीच बढ़ते अंतर से निपटने तथा इसे पाटने के लिए आवश्यक खरबों डॉलर की धनराशि जुटाने की कोशिश के तहत स्पेन में एक उच्च स्तरीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है जिसमें दुनिया के कई देशों के नेता शिरकत करेंगे। अमेरिका का इसमें प्रमुख योगदान होता था, लेकिन अब उसने भागीदारी से पीछे हट गया है। इसलिए वित्तपोषण प्राप्त करना कठिन होगा। स्पेन के दक्षिणी शहर सेविल में विकास के लिए वित्तपोषण पर चार दिवसीय बैठक ऐसे समय हो रही है, जब कई देश बढ़ते कर्ज के बोझ, घटते निवेश, घटती अंतरराष्ट्रीय सहायता और बढ़ती व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में कहा, वित्तपोषण विकास का इंजन है। और अभी, यह इंजन लड़खड़ा रहा है। उन्होंने कहा,हम यहां विकास की दिशा बदलने, विकास के इंजन की मरम्मत करने और उसे गति देने के लिए आए हैं, ताकि अपेक्षित पैमाने और गति से निवेश में तेजी लाई जा सके।

सम्मेलन के सह-मेजबान संयुक्त राष्ट्र और स्पेन का मानना है कि यह बैठक विकास को बढ़ावा देने के लिए 4000 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक वित्तपोषण की कमी को दूर करने, लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने और 2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने का एक अवसर है। यह सम्मेलन वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के बीच हो रहा है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रतिनिधियों से कहा, उनकी सरकार का मानना है कि यह शिखर सम्मेलन हमारे लिए दिशा बदलने का अवसर है, ताकि हम उन लोगों के सामने अपनी आवाज़ उठा सकें जो हमें यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रतिद्वंद्विता और प्रतिस्पर्धा मानवता और उसके भविष्य के लिए दिशा तय करेगी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सम्मेलन में 70 से अधिक विश्व नेताओं सहित उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, विकास बैंकों, परोपकारी संगठनों, निजी क्षेत्र और नागरिक संस्थाओं के लोग भी शामिल हो रहे हैं।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों की संख्या 10 करोड़ के पार : रिपोर्ट

» बीजिंग, भाषा।

चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सदस्यों की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। सीपीसी के केंद्रीय संगठन विभाग (सीओडी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 1921 में स्थापित सीपीसी के 2024 के अंत तक 10.027 करोड़ से अधिक सदस्य थे, जो 2023 से लगभग 10.9 लाख अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 के अंत तक सीपीसी के 52.5 लाख प्राथमिक स्तर के संगठन थे, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 74,000 अधिक है।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में सीपीसी सत्ता में मौजूद कुछ कम्युनिस्ट पार्टियों में से एक है। वियतनाम, लाओस, क्यूबा और उत्तर कोरिया में जिन पार्टियों का शासन है, वे मार्क्सवाद और समाजवाद से वैचारिक जुड़ाव का दावा करती हैं हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना पोस्ट की खबर के मुताबिक, विश्लेषकों का कहना है कि पार्टी के शीर्ष कार्मिक कार्यालय सीओडी द्वारा कड़ी जांच के कारण सीपीसी सदस्यता की वृद्धि धीमी रही है।

कैंसर से जूझ रही यूक्रेनी महिला की बंदी पति को मुक्त कराने की लड़ाई जारी

» कीव , भाषा।

यूक्रेन की ओल्हा कुर्तमलाईवा जब आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) में लेटी थीं तो उन्होंने अपने आप से यही कहा, तुम मर नहीं सकती, तुम्हे जीना होगा। कीमोथेरेपी का उनके शरीर पर दुष्प्रभाव दिखने लगा था। उनका कैंसर स्टेज 4 तक पहुंच गया था, यानी अब कैंसर का नासूर उनके शरीर के अन्य अंगों तक फैल चुका था, जिसका इलाज संभव नहीं था। दर्द असहनीय था। चिकित्सकों को यकीन नहीं था कि वह रात भर भी जीवित रह पाएंगी। यूक्रेन की राजधानी कीव में वह अकेले ही अपनी मौत का सामना कर रही थीं और उनके सैनिक पति तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध में रूस के कब्जे में थे। ओल्हा यही सोचती रहती, अगर मैं अभी मर गई तो कौन उन्हें (उनके पति को) वापस लाएगा? यूक्रेन में उनका कोई नहीं है। तमाम बाधाओं के बीच पिछले साल उन्हें पता चला कि उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है।

इस बीच रूस और यूक्रेन ने कई कैदियों की अदला-बदली की लेकिन, जिसमें1,000 से ज्यादा लोगों को रिहा किया गया लेकिन रिहा होने वालों में ओल्हा के पति नहीं थे, वह अब भी बंदी हैं। ओल्हा के पति एक यूक्रेनी मरीन हैं। ओल्हा उन सैकड़ों यूक्रेनी महिलाओं में से एक हैं जो अब भी अपने पति, बेटे और भाइयों को घर वापस लाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने हार नहीं मानी है और कैदियों की हर अदला-बदली के दौरान वहां इंतजार करती हैं। ओल्हा ने कहा, वह मेरे जीवन में हर जगह है। उनकी फोटो मेरे फोन के स्क्रीन पर है, मेरे बटुए में है, मेरे रसोईघर की दीवार पर है, मेरे कमरे में है। दिन-रात उनके दिमाग में बस यही सवाल उठता रहता है, इसमें (कैदियों की अदला-बदली की प्रक्रिया में) तेजी लाने के लिए मैं क्या कर सकती हूं? उन्हें घर वापस लाने के लिए आज मैं क्या करूं? रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध से पहले ओल्हा को जब पता चला कि उन्हें कैंसर है तो महज 21 साल की थीं। उन्हें हॉजकिन लिंफोमा स्टेज 2 का कैंसर होने का पता चला था। ट्यूमर तेजी से बढ़ रहा था हालांकि उसका उपचार संभव था। उन्होंने कहा, उस उम्र में आप सोचते हैं कैंसर? मुझे क्यों हुआ? कैसे हुआ? मैंने ऐसा क्या किया? उन्होंने कहा कि उनके पति रुसलान कुर्तमलाईव ने उनसे वादा किया था कि वह कीमोथेरेपी में उनके साथ रहेंगे। ओल्हा ने कहा कि 2015 में जब वे मिले थे तो तब रुसलान 21 साल के थे और वह सिर्फ 15 साल की थीं। रुसलान की बात करते समय उनकी आंखों में अलग सी चमक थी। उन्होंने चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान के साथ कहा, यह पहली नजर का प्यार था। उन्होंने बताया कि जैसे ही वह 18 साल की हुईं उन्होंने शादी कर ली। रुसलान एक पेशेवर सैनिक हैं जो अग्रिम मोर्चे पर सेवा देते हैं। शुरुआत से ही ओल्हा समझती थीं कि एक सैनिक की पत्नी होने का मतलब है लगातार बलिदान करते रहना, लंबी जुदाई और युद्ध की अनिश्चितता। लेकिन उन्होंने ये कभी नहीं सोचा था कि ऐसा दिन भी आएगा कि उन्हें अपने पति के कैद से लौटने का इंतजार करना होगा। जब भी वह रुसलान की बात करतीं उनकी आंखें भर आतीं। उन्होंने कहा, वह बहुत नरम दिल है, उनके अंदर न्याय की भावना प्रबल है। जब रूस और यूक्रेन का युद्ध चरम पर पहुंचा तो ओल्हा ने सिर्फ दो कीमोथेरेपी करवाई थी। कैंसर से लड़ते हुए जब उन्होंने अपने बाल मुंडवाए और अपनी तस्वीर रुसलान को भेजी तो उन्होंने कहा, तुम बहुत खूबसूरत हो। रुसलान ने बाद में उन्हें यह भी बताया, जब भी मैं सुबह सोकर उठता तो तुम्हारे तकिए पर झड़े हुए बालों को देखता था। तुम्हारे उठने से पहले ही मैं उन्हें उठाकर फेंक देता ताकि तुम उदास न हो जाओ। ओल्हा ने तीसरी बार कीमोथेरेपी नहीं कराई, उन्होंने इलाज भी जारी नहीं रखा। वह अपने शहर बर्डियांस्क में ही रुकी रहीं और रुसलान की खबर लेती रहीं। उन्होंने कब्जे वाले क्षेत्र में चुपके से यूक्रेनी सैनिकों की मदद जारी रखी। जून 2022 में ओल्हा ने बर्डियांस्क को छोड़ दिया। वह महीनों एक शहर से दूसरे शहर भटकती रहीं। यूक्रेनी युद्धबंदियों के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित करने में मदद करती थीं। आखिरकार वह कीव में बस गईं। इस दौरान उन्होंने अपने कैंसर के उपचार पर जरा भी ध्यान नहीं दिया जबकि उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही थी।

चीन ने जापान से सीफूड के आयात पर प्रतिबंध करीब दो साल बाद हटाया

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने सुनामी से नष्ट हुए फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र से थोड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी अपशिष्ट जल छोड़े जाने को लेकर लगभग दो साल के प्रतिबंध के बाद जापान से सीफूड के आयात पर प्रतिबंध हटा लिया है। सीमा शुल्क एजेंसी की ओर से जारी एक नोटिस में कहा गया है कि रविवार को प्रतिबंध हटा लिया गया है और जापान के अधिकतर हिस्सों से आयात फिर से शुरू हो जाएगा। अगस्त 2023 में लगाया गया यह प्रतिबंध जापान के मत्स्य उद्योग के लिए बड़ा झटका था।

जापानी सीफूड के लिए सबसे बड़ा विदेशी बाजार चीन का है। जापान अपने सीफूड का 20 फीसदी से अधिक हिस्सा चीन को निर्यात करता है। फुकुशिमा स्थित परमाणु संयंत्र 2011 में एक भूकंप के बाद आई भीषण सुनामी से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। कई वर्षों की बहस के बाद, परमाणु ऊर्जा संयंत्र कंपनी को सरकार से यह अनुमति मिल गई कि वह इस अपशिष्ट जल को समुद्र में धीरे-धीरे छोड़े, बशर्ते कि पहले इसे शोधित कर लिया जाए ताकि अधिकतर रेडियोधर्मी तत्वों को हटा दिया जाए। चीन ने इससे असहमति जताई थी।

जर्मन विदेश मंत्री कीव यात्रा पर, यूक्रेन को निरंतर समर्थन का संकल्प जताया

कीव, भाषा। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने सोमवार को बिना किसी पूर्व घोषणा के यूक्रेन की राजधानी कीव की यात्रा की। वेडफुल की यह यात्रा रूस के आक्रमण को रोकने की यूक्रेन के प्रयास के प्रति निरंतर समर्थन प्रदर्शित करता है, क्योंकि अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयास विफल हो रहे हैं। वेडफुल की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा से मुलाकात निर्धारित थी। वेडफुल ने एक बयान में कहा कि जर्मनी यूक्रेन को आधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों, साथ ही मानवीय और आर्थिक सहायता के माध्यम से अपनी रक्षा सफलतापूर्वक जारी रखने में मदद करेगा। जर्मनी, अमेरिका के बाद यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य सहयोगी रहा है।

ईरान-इजराइल में संघर्ष विराम | अमेरिकी सांसदों के लिए बुलाई गई एक विशेष बैठक

ईरान के प्रमुख केंद्र पर हमला उसके परमाणु कार्यक्रम के लिए बड़ा झटका है: अमेरिकी अधिकारी

» वाशिंगटन , भाषा।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए (सेन्ट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी) के निदेशक जॉन रेटक्लिफ ने अमेरिकी सांसदों को बताया कि देश के सैन्य हमलों ने ईरान के एकमात्र धातु रूपांतरण केंद्र को नष्ट कर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को एक बड़ा झटका दिया और इससे उबरने में उसे वर्षों लग जाएंगे। एक अमेरिकी अधिकारी ने यह जानकारी दी। धातु रूपांतरण केंद्र एक ऐसी जगह है जहां यूरेनियम जैसे रेडियोधर्मी तत्वों को एक रूप से दूसरे रूप में बदला जाता है, ताकि उन्हें परमाणु ऊर्जा या परमाणु हथियारों में इस्तेमाल किया जा सके।

एक अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि रेटक्लिफ ने पिछले हफ्ते अमेरिकी सांसदों के लिए बुलाई गई एक विशेष बैठक में धातु रूपांतरण केंद्र पर किए गए हमलों की अहमियत को विस्तार से समझाया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों और अन्य यह सवाल उठा रहे थे कि पिछले मंगलवार को ईरान-इजराइल में हुए संघर्ष विराम से पहले अमेरिका द्वारा किए गए हमलों में ईरान को कितना नुकसान पहुंचा, जिसका जवाब देने से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार बचती रही। इस बीच, इन गोपनीय बैठकों की जानकारी सामने आई है। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स कार्यक्रम में एक साक्षात्कार के दौरान कहा, यह ऐसी तबाही थी जैसी पहले किसी ने कभी नहीं देखी। इसका मतलब है कि कम से कम कुछ समय के लिए उनके (ईरान के) परमाणु इरादे धूमिल हो गए हैं। रेटक्लिफ ने सांसदों को यह भी बताया कि खुफिया एजेंसियों का अनुमान है कि ईरान द्वारा जमा किया गया ज्यादातर संवर्धित यूरेनियम अब शायद इस्फहान और फोर्दो में मलबे में दब गया है। ये दोनों जगहें अमेरिका के हमलों में निशाना बनाए गए तीन मुख्य परमाणु केंद्रों में से हैं। अधिकारी ने बताया कि भले ही यूरेनियम सुरक्षित बचा हो, लेकिन धातु रूपांतरण केंद्र के तबाह हो जाने से तेहरान की बम बनाने की क्षमता अगले कई वर्षों तक लगभग क्षीण हो गई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,